

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की एआईआईएमस में सफल एजियोप्लास्टी, डाक्टरों ने बताया स्टेबल यूपी में मुख्यमंत्री आवास योजना के नियमों में बड़ा बदलाव, अब इस वर्ग के लोगों को मिलेगा पक्का मकान

एजेंसी। दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की एम्स दिल्ली में 17 अगस्त को सफलतापूर्वक एजियोप्लास्टी हुई है। अस्पताल ने पुष्टि की है कि बेचैनी महसूस होने के बाद भर्ती हुए नड्डा की हालत फिलहाल स्थिर है और वे कार्डियोलॉजी विभाग की निगरानी में हैं। अस्पताल ने पुष्टि की है कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा की 17 अगस्त को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में एजियोप्लास्टी हुई और अभी उनकी हालत स्थिर है। एम्स की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा की 17 अगस्त 2026 को एजियोप्लास्टी हुई और वे कार्डियोलॉजी विभाग में निगरानी में हैं तथा उनकी स्थिति स्थिर है। बेचैनी महसूस होने के बाद, 14 अगस्त को नड्डा को AIIMS के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में ऑब्जर्वेशन के लिए भर्ती कराया



गया था। 13 अगस्त की शाम को कोरोनारी एंजियोग्राफी सहित कई टेस्ट करके उनकी जांच की गई थी। पण्डे ने कहा, प्माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा की 13 अगस्त 2026 की शाम को बेचैनी के कारण कोरोनारी एंजियोग्राफी सहित कई टेस्ट

करके जांच की गई थी। वे अभी ठीक हैं और ऑब्जर्वेशन के लिए कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती हैं। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संधवी ने नड्डा के जल्द ठीक होने की कामना करते हुए र पर लिखा कि केंद्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा जी के जल्द ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य

की कामना करता हूं। गुजरात के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री ऋषिकेश पटेल ने भी शुभकामनाएं देते हुए X पर पोस्ट किया कि श्री जेपी नड्डा जी के जल्द ठीक होने और हमेशा अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

संवाददाता। लखनऊ। प्रदेश सरकार ने 'जीरो पावर्टी' अभियान के तहत चिह्नित अति गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। इसके लिए ग्राम्य विकास विभाग ने योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन कर दिया है। अब अभियान के तहत चिह्नित ऐसे परिवार, जो ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी में शामिल किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अति गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए जीरो पावर्टी अभियान शुरू किया है। इसके तहत प्रदेश में लगभग 12.50 परिवारों को चिह्नित किया गया है। योजना के तहत विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर इन परिवारों को सबल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत ही पात्र परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लाभान्वित

करने के भरी निर्देश दिए गए हैं। ग्राम्य विकास विभाग के प्रमुख परिवारों को भी शामिल किया गया है। इससे उन गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का रास्ता साफ होगा, जो अभी जर्जर, कच्चे मकानों में रह रहे हैं। प्रमुख सचिव ने ग्राम्य विकास आयुक्त को पत्र भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दिव्यांगजन रोजगार अभियान में 1559 को सिलाई-कढ़ाई, जन सेवा केंद्र, डेयरी और पशुपालन के लिए सरकारी योजनाओं व ऋण सुविधाओं से भी जोड़ा गया।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 में 1559 दिव्यांगजन रोजगार



सचिव सौरभ बाबू की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से समय-समय पर जारी शासनादेशों में विभिन्न वर्ग, समुदाय, जाति और जनजातियों को योजना की निर्धारित पात्रता की अलग-अलग प्राथमिकता श्रेणियों में शामिल किया गया है। अब इसी व्यवस्था में 'जीरो

गया है। इससे उन गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने का रास्ता साफ होगा, जो अभी जर्जर, कच्चे मकानों में रह रहे हैं। प्रमुख सचिव ने ग्राम्य विकास आयुक्त को पत्र भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दिव्यांगजन रोजगार अभियान में 1559 को सिलाई-कढ़ाई, जन सेवा केंद्र, डेयरी और पशुपालन के लिए सरकारी योजनाओं व ऋण सुविधाओं से भी जोड़ा गया।

और स्वरोजगार से जुड़े। अभियान के तहत रोजगार मेले, प्लेसमेंट ड्राइव और रोजगार कैंप लगाए गए। चयनितों को 10 से 18 हजार रुपये मासिक वेतन आफर किया गया। मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई-कढ़ाई, जन सेवा केंद्र, डेयरी और पशुपालन के लिए सरकारी योजनाओं व ऋण सुविधाओं से भी जोड़ा गया।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में "दीक्षारंभ 2026" विद्यार्थी अभिमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता, संस्कार, राष्ट्रबोध एवं वैश्विक दृष्टिकोण से कराया गया परिचय

विजडम इंडिया। देहरादून, 18 अगस्त 2026। रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के विश्वविद्यालय जीवन में सहज, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी प्रवेश सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "दीक्षारंभ 2026" विद्यार्थी अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आज दिनांक 18 अगस्त 2026 को लालित्यादित्य प्रेक्षागृह में गरिमापूर्ण वातावरण में शुभारंभ किया गया। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम 18 से 20 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शैक्षणिक वातावरण, दृष्टि एवं मूल्यों, अनुशासन, नियम एवं विनियम, शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, विद्यार्थी सुविधाओं तथा विभिन्न विद्यार्थी सहायता सेवाओं से परिचित कराना है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में फैंकल्टी ऑफ नर्सिंग एवं फैंकल्टी ऑफ एजुकेशन के नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय प्रो-चांसलर डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय परिवार में स्वागत करते हुए अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश विद्यार्थियों के जीवन की एक महत्वपूर्ण नई यात्रा की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अनुशासन, संस्कार, नैतिक मूल्यों, परिश्रम एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं तथा अपनी प्रतिभा एवं व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी की सफलता केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जिम्मेदार, संवेदनशील एवं

राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक के रूप में स्वयं को विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. मनमोहन गुप्ता ने अपने वक्तव्य में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, गुणवत्ता आधारित शिक्षा, अकादमिक अनुशासन एवं उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन, शिक्षकों के साथ संवाद तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में ज्ञान, तार्किक सोच, शोध की प्रवृत्ति, नवाचार एवं समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों एवं अवसरों का अधिकतम उपयोग करने तथा बदलती तकनीकी एवं वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। संस्कृति विभाग के सदस्य एवं अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी एवं वैश्विक संबंध विभाग के सहायक निदेशक श्री रमण कृष्ण किमोदी ने विद्यार्थियों को सुभारती की मूल भावना "राष्ट्र बोध से राष्ट्र भक्ति" से परिचित कराया। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र, समाज एवं मानवता के प्रति अपने दायित्वों को समझने तथा शिक्षा को केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित न रखते हुए उसे चरित्र निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र सेवा से जोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी की वास्तविक सफलता उसके ज्ञान एवं व्यक्तित्व उपलब्धियों के साथ-साथ एक जिम्मेदार, संवेदनशील एवं राष्ट्रहित के

प्रति समर्पित नागरिक के रूप में उसके विकास में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार करने तथा वैश्विक दृष्टिकोण, संवाद कौशल, सांस्कृतिक समझ, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम का विशेष सत्र "राष्ट्र बोध" रहा, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध की भावना से जोड़ा गया। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की क्षमता विकसित करना भी है। "राष्ट्र बोध से राष्ट्र भक्ति" की भावना को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों को अपने गौरवशाली इतिहास, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। प्रो. नीलिमा चौहान, डीन द्वारा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संरचना, विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों, सुविधाओं तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्रदान की गई। फैंकल्टी ऑफ एजुकेशन द्वारा विश्वविद्यालय के नियम एवं विनियम, अनुशासन एवं संस्थागत व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। मुख्य प्रॉक्टर द्वारा एंटी-रैगिंग जागरूकता के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना (रै) के समन्वयक श्री प्रदीप महारा ने विद्यार्थियों को रै की गतिविधियों एवं सामाजिक सेवा के विभिन्न अवसरों से परिचित कराया तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी एवं सेवा भावना विकसित करने का संदेश दिया। परीक्षा नियंत्रक श्रीमती पूनम

कौशिक द्वारा विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन प्रक्रिया, परीक्षा संबंधी नियमों एवं महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा संबंधी नियमों का पालन करने तथा शैक्षणिक अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री कविता नैनवाल, फैंकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज एवं सुश्री अंजलि उपाध्याय, फैंकल्टी ऑफ फाइन आर्ट्स एंड फैशन डिजाइन द्वारा किया गया। दोनों ने कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों का सुचारु, अनुशासित एवं प्रभावी संचालन किया। कार्यक्रम के अंत में डीन, विद्यार्थी कल्याण द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाते हुए अनुशासन, संस्कार एवं उत्कृष्टता के साथ अपने शैक्षणिक जीवन को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कुलसचिव श्री खालिद हसन, प्रो. नितिका कौशल सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी एवं नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे। "दीक्षारंभ 2026" के प्रथम दिवस ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय में उनके नए शैक्षणिक जीवन की सकारात्मक एवं प्रेरणादायी शुरुआत का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, राष्ट्रबोध, व्यक्तित्व निर्माण एवं वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने का महत्वपूर्ण केंद्र है। तीन दिवसीय "दीक्षारंभ 2026" कार्यक्रम के आगामी दिवसों में अन्य संकायों एवं विभागों के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए भी अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।



रास्ता न दिला पाएँ तो लेखपाल, कानूनगो, तहसीलदार सबको सस्पेंड कराओ - मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि संबंधी मामलों में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान एक महिला ने दबंगों द्वारा रास्ता रोके जाने की शिकायत की। महिला ने मुख्यमंत्री को बताया कि दबंग धमकी देते हैं कि चाहे जहां शिकायत कर लो, वे रास्ता नहीं देंगे। महिला की पीड़ा सुनकर मुख्यमंत्री ने तत्काल अधिकारियों को मामले का निस्तारण कर महिला को रास्ता दिलाने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि लेखपाल, कानूनगो और तहसीलदार रास्ता दिलाने में खुद को असमर्थ मानते हैं तो उन सभी को निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों में यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए

लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि संबंधी मामलों को गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। महंत दिव्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री करीब 200 लोगों के बीच पहुंचे और एक—एक कर के उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने लोगों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को स्वयं अपने हाथ में लेकर उनका अवलोकन किया तथा शिकायतों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक प्रार्थना पत्र का गंभीरता से सज्ज्ञान लेकर उसका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए।मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आए लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। शासन की प्रार्थमिकता है कि प्रत्येक पात्र और पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिले तथा उसकी समस्या का समाधान पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कराया जाए।जनता दर्शन के दौरान कई अन्य लोगों ने भी

भूमि और राजस्व से संबंधित मामलों में राजस्व कर्मियों द्वारा लापरवाही किए जाने की शिकायतें मुख्यमंत्री के सामने रखीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों की जांच कराई जाए और जहां भी लापरवाही सामने आए, वहां जिम्मेदार अि अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भूमि विवादों और जनसमस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक देरी या लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में वास्तविक रूप से लोगों को रास्ता, कब्जा हटाने, राजस्व अभिलेखों में सुधार या अन्य वैधानिक सहायता की आवश्यकता है, उनमें संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई करें। अि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए पूरी गंभीरता से काम करें।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार

लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने ऐसे लोगों को आश्चर्य किया कि सरकार उनके उपचार में हरसंभव सहायता करेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र और जरूरतमंद लोगों के आयुष्मान कार्ड दिए कि ऐसे मामलों की जांच कराई जाए और जहां भी लापरवाही सामने आए, वहां जिम्मेदार अि अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भूमि विवादों और जनसमस्याओं के निस्तारण में अनावश्यक देरी या लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जनता की शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में वास्तविक रूप से लोगों को रास्ता, कब्जा हटाने, राजस्व अभिलेखों में सुधार या अन्य वैधानिक सहायता की आवश्यकता है, उनमें संबंधित विभाग तत्काल कार्रवाई करें। अि अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए पूरी गंभीरता से काम करें।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार

पीआरडी जवानों को मुख्यमंती योगी की बड़ी सौगात, ड्यूटी भत्ता 500 से बढ़ाकर 600 रुपये और हर साल पांच लाख तक मुफ्त इलाज

गोरखपुर, लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रांतीय रक्षक बटलियों (पीआरडी) के जवानों को बड़ी सौगात देते हुए उनके दैनिक ड्यूटी भत्ते में वृद्धि की घोषणा की। अब पीआरडी स्वयंसेवकों को 500 रुपये के स्थान पर प्रतिदिन 600 रुपये ड्यूटी भत्ता मिलेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पीआरडी जवानों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की कैंशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध ा कराने की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवकों ने कानून—व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, यातायात संरक्षण, चुनाव ड्यूटी और विभिन्न महत्वपूर्ण आयोजनों में पुलिस एवं प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उनके योगदान का बटन दबाकर लखनऊ में करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया।अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के स्वयंसेवकों को वर्ष 2019 तक मात्र 250 रुपये

प्रतिदिन ड्यूटी भत्ता मिलता था। वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 375 रुपये, वर्ष 2022 में 395 रुपये और वर्ष 2025 में बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिदिन किया गया। अब एक बार फिर इसमें वृद्धि करते हुए ड्यूटी भत्ता 600 रुपये प्रतिदिन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीआरडी के 75 वर्षों के इतिहास में ड्यूटी भत्ता 250 रुपये तक ही पहुंच पाया था, जबकि पिछले आठ वर्षों में यह 250 रुपये से बढ़कर 600 रुपये होने जा रहा है। यह वृद्धि सभी प्रतिशत से भी अधिक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और शांति एवं सुख्शा व्यवस्था को मजबूत बनाने में पीआरडी स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पुलिस और प्रशासन के सहयोग में पीआरडी जवान पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले पीआरडी जवानों को नियमित रूप से ड्यूटी नहीं मिलती थी, लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। पीआरडी के महत्व को समझते हुए सरकार ने उनकी भूमिका को व्यापक बनाया है और अब कई अवसरों पर ड्यूटी के लिए जवान कम पड़ जाते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्राकृतिक आपदा हो या महाकुंभ, दीपोत्सव, रंगोत्सव, यातायात व्यवस्था हो या चुनाव ड्यूटी, पीआरडी स्वयंसेवकों ने हर जिम्मेदारी को अनुशासन, सेवाभाव और समर्पण के साथ पूरा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

पीआरडी जवानों के योगदान को सम्मान देते हुए उनके कल्याण के लिए लगातार कदम उठा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिवारों को कैंशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध ा कराने का निर्णय उनके प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री पीआरडी कैंशलेस चिकित्सा योजना के तहत प्रदेश के 31 हजार से अधिक पीआरडी स्वयंसेवकों को सरकारी तथा सरकार से संबद्ध अस्पतालों में प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। परिवार के सदस्यों को शामिल करने पर इस योजना से 1.55 लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। इससे पीआरडी जवानों और उनके परिवारों को गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक बोझ से राहत मिलेगी और उन्हें बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी जवानों ने प्रदेश की प्रगति और जनसेवा में निरंतर योगदान दिया है। सरकार का प्रयास है कि उनके कार्य की परिस्थितियों में सुधार के साथ—साथ उनके सामाजिक और आर्थिक हितों का भी ध्यान रखा जाए। ड्यूटी भत्ते में लगातार वृद्धि और अब कैंशलेस चिकित्सा सुविधा इसी दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम हैं।सम्मेलन में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, राजनीतिक पेंशन, सैनिक कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि पीआरडी के जवान शांति, सुख्शा और जनसेवा के मजबूत आधार

हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले पीआरडी का बजट मात्र 23 करोड़ रुपये था, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसमें कई गुना वृद्धि हुई है। वर्तमान में पीआरडी का बजट बढ़कर 543 करोड़ रुपये हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार पीआरडी जवानों के कल्याण और उनकी सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है।सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दस पीआरडी स्वयंसेवकों को स्वयं कैंशलेस चिकित्सा सुविधा कार्ड प्रदान किए। कार्ड प्राप्त करने वालों में गोरखपुर के अजय, भीमसेन, धीरेंद्र और उमेश कुमार, लखनऊ की रनेहलता रावत और अनामिका वर्मा, कुशीनगर की चंदा भारती, मऊ के जय सिंह, चंदौली के मो. शाकिर तथा वाराणसी के किशन गुप्ता शामिल हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत की प्रशासक साधना सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरजन निषाद, विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, पीआरडी विभाग के सचिव सुहास एलवाई, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, जिलाध्यक्ष नार्दान तिवारी, महानगर अध्यक्ष रमेश प्रताप गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

बारिश से पूरे शहर का हाल बेहाल

पॉश इलाकों में 4 फीट तक पानी, थानों और नगर निगम परिसर में भी जलभराव

प्रयागराज। पिछले दो दिनों से प्रयागराज में लगातार बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। सुबह से हो रही बारिश के चलते स्कूलों में छुट्टी करनी पड़ी। बाजारों में भी सन्नाटा पसर चुका है। बारिश ने स्मार्ट सिटी प्रयागराज की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। शहर के पॉश इलाकों में घुटनों तक पानी भरा है। पुलिस और प्रशासनिक कार्यालयों से लेकर थानों तक के गेट पानी में डूबे हैं।शहर को स्मार्ट बनाने का दावा करने वाले नगर निगम के गेट के अंदर भी घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया है। सिविल लाइंस से लेकर पुराने शहर तक कई इलाकों में जलभराव है। शहर के कुछ इलाकों में 24 घंटे से घरों में बिचले हिस्सों में पानी भरा हुआ है। हालात ऐसे हैं कि सैकड़ों परिवारों को घर की ऊपरी मंजिल पर रहने

के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।शहर के दारागंज, टैगोर टाउन, अलोपीबाग, करेली, सिविल लाइंस, जार्जटाउन, कटरा, निरंजन डॉटपुल, लीडर रोड, राजरूपपुर, चौक समेत कई मोहल्लों में घरों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ गई है। करेली के कुछ क्षेत्रों में एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है।प्रयागराज में आज (मंगलवार) को भी सुबह से रूक—रूक बारिश हो रही है। तेज बारिश होने से हालात बिगड़ गए हैं। शहर की अधिकतर क्षेत्रों की कॉलोनियों और निगम के गेट के अंदर भी घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया है। करेली और बाइकें डूब गई हैं। मकानों के ग्राउंड फ्लोर आधे डूब चुके हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और एनडीआरएफ की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा

रही है। जलभराव से लोगों को आने—जाने में परेशानी हुई। नगर निगम और सफाई एजेंसियों की इस बारिश में क्या तैयारी की थी, इसकी कलई तो खुल ही गई, सड़कों पर जगह—जगह जलभराव के कारण राहगीरों का गुजरना भी दूमर हो गया। कई पॉश इलाकों में तो सीवर के पानी के बैकफ्लो के कारण घरों में पानी घुस गया है। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए एनडीआरएफ भी लगानी पड़ी। बारिश के दौरान तेज हवा के कारण सरस्वती घाट के एक गुंबद पर सीमेंट की छतरी ही उड़ गई। शहर में जगह—जगह जलभराव के वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। पुराने शहर की जलभराव की स्थिति पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर तंज कसा है। मंगलवार को 12वीं तक के स्कूल

जज के निजी सुरक्षा अधिकारी के बेटे पर हमला

लोहे की राड, लात-घूसों से पीटा, 6 पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र में जज के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) के बेटे को लात—घूसों और लाठी—डंडों से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक खड़ी करने को लेकर मरहूम माफिया अतीक अहमद के करीबियों से उसका विवाद हो गया। इस दौरान आरोपियों ने पीएसओ के बेटे से गाली—गलौज की। विरोध करने पर उसका मुंह दबा दिया और जबरन खींचकर घर के अंदर ले गए। वहां पर लोहे की रॉड और धारदार हथियार से उसकी पिटाई की गई। युवक की चीख—पुकार सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। इसके बाद जज के पीएसओ ने थाने पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी—मसारी निवासी हेड कांस्टेबल कमालुद्दीन जज के पीएसओ हैं। रविवार रात करीब 8रू30 बजे उनका बेटा मोहम्मद इमरान फुटबॉल खेलकर घर लौटा था। वह घर के बाहर बाइक खड़ी कर रहा था। इसी दौरान गोल्ड उर्फ सलाम, तैय्यब और कलाम पुत्र महानज, राशिद उर्फ नीलू, उसका भाई और मोहम्मद उमर वहां पहुंच गए।सभी लोग इमरान को गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसका मुंह दबा दिया और जबरन खींचकर अपने घर के अंदर ले गए। वहां लोहे की रॉड और लात—घूसों से उसकी पिटाई की गई। इमरान की चीख—पुकार सुनकर उसके पिता, मां और बहन साजिया परवीन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान लोहे की रॉड, लोहे की पट्टी और धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया। परिवार किसी तरह वहां से निकलकर पड़ोसी तौफिक के घर पहुंचा और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया।इसके बाद गोल्ड उर्फ सलाम ने फोन कर 10—12 अन्य युवकों को बुला लिया। कुछ देर बाद ये लोग भी वहां पहुंच गए और पड़ोसी के घर में घुसकर परिवार के लोगों से मारपीट करने लगे। गोल्ड उर्फ सलाम ने साथ आए युवकों को परिवार को जान से मारने की धमकी दी। जाते समय भी हमलावरों ने धमकाया और खुद को अतीक अहमद के रिश्तेदार परिवार से जुड़ा बताया।

तीन सितंबर को लखनऊमें उमड़ेंगा व्यापारियों का सैलाब- संदीप बंसल

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मंत्री एवं स्वदेशी व्यापारी वंश के राष्ट्रीय सह संयोजक संदीप बंसल ने प्रयागराज मंडल के अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के 33वें स्थापना दिवस पर 3 सितंबर को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में व्यापारियों का सैलाब उमड़ेंगा। स्वदेशी व्यापारी कुंभ के माध्यम से प्रदेश के सभी पव्हतर जनपदों के व्यापारी, प्रतिनिधि और देश के बारह राज्यों के प्रतिनिधि इस कुंभ में उपस्थित रहेंगे।संदीप बंसल ने कहा कि व्यापारी को आईएसएस जैसा सम्मान दिलाना इधर जाते इस स्वदेशी व्यापारी कुंभ का प्रमुख संकल्प और उद्देश्य है। आज प्रयागराज मंडल की बैठक में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष रिपन कंसल्ट, महिला प्रदेश अध्यक्ष अनीता जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा अध्यक्ष अरविन वर्मा, मंडल प्रभारी विपिन गुप्ता, ाजिलाध्यक्ष लालू मि्तल, नगर अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल, गंगापाार अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी प्रदेश के सोशल मीडिया प्रभारी संजय निधि अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में फतेहपुर से संजय गुप्ता, ब्रह्मेश सोनी, प्रतापगढ़ से अर्पित खड्डेवाल, उमा शंकर अग्रहरी, सेनमद्र से धीरेंद्र जायसवाल, चंदौली मुगलसराय से राकेश शर्मा, आशिष श्रीवास्तव, बाबू खान कोशंबी से राजेंद्र बहादुर प्रयागराज से मुखरीलाल अग्रवाल, नटवर लाल भारती, महिला जिलाध्यक्ष रत्ना जायसवाल, महामंत्री रवि शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय अवस्थी, महिला महानगर अध्यक्ष अपूर्वा चन्द्रा सुभा मिश्रा, महानगर महामंत्री केसरी विजयपाल सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश के पानी में डूबा रामबाग रेलवे स्टेशन

प्रयागराज। मानसून की जोरदार बारिश के कारण हर साल की तरह इस बार भी रामबाग रेलवे स्टेशन डील की शक्ल में तब्दील हो गया है, रेलवे यार्ड पूरी तरह डूब गया। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक, दो, तीन और चार की पटरियों पर कई फीट पानी भर जाने के कारण ट्रेनों का संचालन ठप हो गया है। हालात इतने बदतर हैं कि रामबाग से चलने वाली चारों पैसेंजर ट्रेनों को रामबाग से रह कर अब झूंसी स्टेशन से चलाने का फैसला लेना पड़ा है। रामबाग स्टेशन पर पानी भरने के चलते यात्रियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है।

जलभराव के कारण 65132

मऊ पैसेंजर, 65114 बनारस पैसेंजर, 55132 बलिया पैसेंजर और 65112 बनारस पैसेंजर झूंसी से चलाई जा रही है। वर्तमान में केवल विभूति एक्सप्रेस का संचालन प्लेटफॉर्म नंबर पांच से किया जाएगा, क्योंकि सिर्फ यही एक प्लेटफॉर्म पानी के भराव से बचा हुआ है। रेलवे ने पांच नंबर की लाइन को खाली कराकर सामान की लोडिंग—अनलोडिंग और रैंप के जरिए आवागमन की व्यवस्था यहीं शिपट कर दी है। बाकी पूरा यार्ड और चारों प्लेटफॉर्म पानी में समाए हुए हैं।

रेलवे कॉलोनी की स्थिति बद

से बदतर हो चुकी है। क्वार्टरों में

4 से 5 फीट तक गंदा पानी घुस गया है। पानी के साथ घरों में जहरीले सांप निकलने से रेलकर्मियों और उनके परिवजनों में दहशत फैल गई। जान बचाने के लिए रेलवे प्रशासन ने कोई रेस्क्यू नहीं चलाया तो कालोनी के लोगों ने खुद अपनी मदद और एक दूसरे का सहारा बने। कर्मचारियों और उनके परिवारों को बाहर निकाला और सुरक्षित इमारतों में शिपट कराया। किश्तहाल कर्मचारी अपना आशियाना छोड़ने को मजबूर हैं।

यह कोई पहली बार नहीं है जब रामबाग स्टेशन का यह हाल हुआ हो। हर साल बारिश

आते ही करोड़ों का राजस्व देने वाला यह स्टेशन पानी में डूब जाता है, पटरियां गायब हो जाती हैं और ट्रेनों के पहिए थम जाते हैं। हर साल भारी—भरकम बजट और ड्रेनेज सुधार के बड़े—बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन थोड़ी सी बारिश रेलवे के दावों की हवा निकाल देती है। सवाल उठता है कि जब हर साल यही तबाही मचती है, तो समय रहते जल निकासी का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाला जाता? रेलवे की इसी घोर लापरवाही का खामियाजा आज आम यात्रियों और अपने ही कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

सर्राफा कारोबारियों की सुरक्षा की उठी मांग

प्रयागराज। स्वर्णकार समाज की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच की प्रयागराज इकाई ने मंगलवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री शश योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा स्वर्णकार एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कोशल सोनी के निर्देश पर यह ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन में उत्तर प्रदेश में स्वर्ण कला बोर्ड के गठन, पात्र सर्राफा कारोबारियों को साहूकारी लाइसेंस उपलब्ध कराने, सुरक्षा की दृष्टि से शस्त्र लाइसेंस में प्राथमिकता देने तथा स्वर्णकार कारीगरों एवं सर्राफा कारोबारियों को स्वर्ण एवं रजत धातु उपलब्ध कराने की व्यवहारिक व्यवस्था किए जाने की मांग की गई।मंच पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्णकार एवं सर्राफा कारोबारियों को लूट, चोरी, डकैती, हत्या और उचकवागिरी जैसी गंभीर घटनाओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम के साथ पीड़ितों को आर्थिक सहायता, सुरक्षा एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।जिला महामंत्री एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिरुद्ध कुमार सोनी (शुज सोनी) ने कहा कि समाज की विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया है।

बक्शी रिवर फ्रंट रोड पर पानी में डूबी कार

प्रयागराज।

लगातार बारिश के बाद बक्शी बांध क्षेत्र में एसटीपी का पानी ओवरफ्लो होने से मंगलवार सुबह बड़ा हादसा होते—होते टल गया। प्रतापगढ़ से संगम जा रहे चार लोगों की कार रिवर फ्रंट रोड सड़क पर भरे करीब दो फीट पानी में फंसकर डूब गई। हालांकि सभी लोग समय रहते कार से बाहर निकल आए, जिससे जनहानि नहीं हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार कार सवार चारों लोग प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं और संगम जा रहे थे। वे रिवर फ्रंट रोड होते हुए नागवासुकी की तरफ बढ़ रहे थे। इसी दौरान बक्शी बांध के पास सड़क पर पानी भरा मिला। चालक ने कार निकालने का प्रयास किया, लेकिन पानी के बीच पहुंचते ही वाहन बंद हो गया।पानी बढ़ने से आध्ी डूबी कार, फिर पूरी तरह समा गई कार बंद होने के बाद पानी का स्तर लगातार बढ़ने लगा। कुछ ही देर में वाहन आधा डूब गया। खतरा भांपते हुए कार में सवार सभी लोग बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए। इसके बाद पानी और बढ़ा तथा कार पूरी तरह जलमग्न हो गई।घटना की सूचना मिलते ही दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कार को बाहर निकालने के लिए हाइड्रॉ मशीन बुलाई गई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर लगभग 1रू30 बजे वाहन को पानी से बाहर निकाला जा सका।, जिससे सड़क

क्षेत्रीय कावा के अंतर्गत 101 आर.ए.एफ. मॉन्टेसरी स्कूल में देशभक्ति कार्यक्रम

ममता मंदित विद्यालय, कोड़िहार, प्रयागराज में दिव्यांग बच्चों को आर ए एफ द्वारा मिष्ठान एवं तिरंगा वितरित किया गया

विजडम इंडिया प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) आर.ए.एफ. मॉन्टेसरी स्कूल में श्रीमती नूतन सिंह, कावा उपाध्यक्षा–101 आर.

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए अच्छे संस्कार, अनुशासन एवं देशप्रेम के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी बच्चों को पुरस्कार एवं मिष्ठान वितरित किए गए। ममता मंदित विद्यालय, कौड़िहार, प्रयागराज में दिव्यांग बच्चों को शहर घर तिरंगाश अभियान के तहत 101 आर.ए. एफ. के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज एवं मिष्ठान वितरित कर

सहभागिता करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं का आदान–प्रदान किया।

दिनभर चले विभिन्न कार्यक्रमों के पश्चात रात्रि में अन्य सैनिक भोजनालय में सामूहिक शबड़ा खानाश का आयोजन किया गया। इसमें अडि कारियों एवं जवानों ने एक साथ भोजन कर आपसी भाईचारे, एकता एवं सौहार्द की भावना



ए.एफ. द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर कावा सदस्य, शिक्षक, बच्चे एवं उनके परिजन उपस्थित रहे तथा राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके बाद बच्चों ने देशभक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कावा उपाध्यक्षा महोदया ने बच्चों एवं शिक्षकों को

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं। बच्चों ने देशभक्ति एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति उत्साह और उमंग का प्रदर्शन किया। इसके पश्चात अधीनस्थ अडि कारी मेस में शूट होमश कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अडि कारियों एवं अधीनस्थ अधिकारियों ने आपसी सौहार्द के साथ

को और मजबूत किया। उक्त अवसर पर श्री नितिन कुमार, (उप कमांडेंट), श्री यज्ञ कुमार, (उप कमांडेंट) सहित अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अडि कारीगण, जवान, कावा सदस्य, शिक्षक, बच्चे एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

‘एक भी चूक माफ नहीं’ केजेएस की सुरक्षा पर डीजीपी सुरक्षा का अल्टीमेटम, मथुरा में खुफिया से लेकर जमीनी स्तर तक कसी गई कमर आईबी, सीआरपीएफ, पीएसी के टश्यप अफसरों संग 3 घंटे चली मैरायन बैठक, डीएम-एसएसपी संग जन्मस्थान का किया औचक निरीक्षण

(मथुरा)(विष्णु)

ब्रज की आस्था और देश की सुरक्षा से जुड़े कृष्ण जन्मस्थान (केजेएस) को लेकर सोमवार 18 अगस्त 2026 को मथुरा में सुरक्षा का महाअलर्ट जारी हो गया।



प्रतिशत की भी ढिलाई हुई तो सीधी जवाबदेही तय होगी।

जन्मस्थान पर अधिकारी, चप्पे-चप्पे की जांच

गोष्ठी के तुरंत बाद सभी अधिकारी जन्मस्थान पहुंचे। वहां प्रवेश द्वार, बंद परिपथ दूरदर्शन कैमरे (सीसीटीवी), बैरियर, तलाशी पॉइंट और भीड़ नियंत्रण की पूरी व्यवस्था परखी गई। नगर आयुक्त ओजस्वी राज और मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी को भीड़ प्रबंधन और साफ–सफाई को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले त्योहारों को देखते हुए गुप्तचर तंत्र (आईबी) को 24×7 एक्टिव रखा जाए। संदिग्धों पर नजर, सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग और त्वरित कार्रवाई का प्लान तैयार किया जाए। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और प्रांतीय सशस्त्र पुलिस बल (पीएसी) की तैनाती को भी और मजबूत करने के आदेश दिए गए। शीर्ष अधिकारियों की इस दमदार बैठक के बाद मथुरा पुलिस और प्रशासन में हड़कंप है। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि केजेएस की सुरक्षा कितनी अमेद्य बनती है।

बारिश में सड़क निर्माण पर उठे सवाल

जौनपुर। नगर पालिका क्षेत्र में बरसात के चरम मौसम के बीच गली–मोहल्लों में सड़क निर्माण कराए जाने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इशापुर गली नंबर–1 में बारिश के दौरान सड़क निर्माण शुरू किए जाने से लोगों में निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी धन के सदुपयोग को लेकर चिंता है। लोगों का कहना है कि इशापुर क्षेत्र में कुछ ही मिनट की तेज बारिश में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और कई स्थानों पर घुटने तक पानी भर जाता है। ऐसे में सड़क निर्माण के दौरान मिट्टी और आधारभूत सतह के पूरी तरह सूखने का सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है। गौली मिट्टी पर सड़क निर्माण किए जाने से सड़क की पकड़ और मजबूती प्रभावित होने की आशंका रहती है। जानकारों के अनुसार, सड़क निर्माण में आधारी की मजबूती बेहद महत्वपूर्ण होती है। बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति में निर्माण सामग्री के बहने अथवा आधार के कमजोर होने की आशंका बनी रहती है। यदि सड़क निर्माण के दौरान निर्धारित तकनीकी मानकों और सामग्री की गुणवत्ता का समुचित ध्यान नहीं रखा गया तो नई सड़क की उम्र और मजबूती पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराई जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप ही हो। नागरिकों का कहना है

मिजिल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान का शुभारंभ, 5 से 10 वर्ष तक के बच्चों को लगेगा टीका

सुलतानपुर। जनपद में मिजिल्स–रूबेला (एमआर) टीकाकरण अभियान का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नारायणपुर स्थित स्टेला मॉरिस कॉन्वेंट स्कूल में अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत जिले के सरकारी शिक्षण संस्थानों, निजी स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और मदरसों में कक्षा एक से पांच तक अध्ययनरत बच्चों को एमआर वैक्सीन की डोज दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान 5 से 10 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण 18, 20, 21, 24, 25, 27 और 28 अगस्त 2026 को कराया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नजदीकी आंगनवाड़ी केंद्र, सरकारी स्कूल अथवा मदरसे में ले जाकर एमआर का टीका अवश्य लगवाएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि खसरा और रूबेला संक्रामक वायरल



डीपीएम, डीसीपीएम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दूधपुर के अधीक्षक, बीपीएम, बीसीपीएम, एसएमओ, डब्ल्यूएचओ, जेएसआई, पीसीआई के जिला प्रतिनिधि सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी–कर्मचारी एवं विद्यालय के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसील लालगंज के भारी अतिवृष्टि के दृष्टिगत प्रभावित 07 गांव के लोगों को पहुंचाया गया राहत शिविर

मीरजापुर, 18 अगस्त 2026— तहसील लालगंज अन्तर्गत भारी अतिवृष्टि व वर्षा के कारण जल भराव से 07 गांव प्रभावित होने की सूचना पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार तत्काल मौके पर पहुंचकर बाढ़ पीड़ित परिवारों का रेस्क्यू कर राहत शिविर में पहुंचाने तथा आवश्यक राहत व बचाव के निर्देश अधिकारियों को दिया। एस0डी0आर0एफ0 टीम के द्वारा मुख्य रूप से प्रभावित दिघुली ग्राम के प्रभावित 45 लोगों को रेस्क्यू कर राम हरख इण्टर कालेज में स्थापित राहत शिविर में पहुंचाया गया तथा उन्हें भोजन, बिस्तर, पेयजल सहित अन्य जनोपयोगी सामान उपलब्ध कराने का निर्देश जिलाधि कारी द्वारा दिया गया। उन्होंने कहा कि राहत शिविर में प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, साफ सफाई अनवरत रहे विद्युत कटने के कारण जनरेटर की व्यवस्था कर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी व तहसीलदार लालगंज को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को लंच पैकेटध्मोजन, पेयजल व अन्य मूल भूत सुविधाओं को पर्याप्त मात्रा में ससमय उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा बड़गड़ ग्राम में भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा आवश्यक राहत मुहैया कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0ध्वा0 विनोद कुमार सिंह, तहसीलदार विशाल कुमार, आपदा विशेषज्ञ अंकुर गुप्ता उपस्थित रहे।

अनाधि×त कश्लोनी पर चला विकास प्राधिकरण का बुलडोजर, बाउंड्रीवॉल और सड़क ध्वस्त

(छाता)

मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण (विप्रा) की ओर से अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छाता क्षेत्र में करीब 15 हजार वर्ग मीटर में विकसित की जा रही कॉलोनी की बाउंड्रीवॉल और सड़क को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई दोपहर करीब 3 बजे से शाम 5 बजे तक चली।



प्राधिकरण के अनुसार, अर्थ हाउसिंग एलएलपी कंपनी द्वारा विनय कुमार चौहान और राकेश चौधरी के माध्यम से केंडी मेडिकल कॉलेज के सामने एनएच–19, छाता में बिना किसी स्वीकृति के ‘वशुध ारा वैशली’ नाम से अनाधि कृत कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की सुसंगत धाराओं के तहत वाद संख्या MTDA/Z2/ ANI/2026/0000942 दर्ज किया गया था। प्रकरण में सुनवाई और सम्यक विचार के बाद प्राधिकरण की ओर से 17 जून 2026 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया गया था। निध ारित अवधि में विकासकर्ता द्वारा अनाधिकृत निर्माण नहीं हटाए जाने पर सोमवार को

प्राधिकरण प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

यह कार्रवाई मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एनके के निर्देशन में सचिव आशीष कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम ने जेसीबी की मदद से कॉलोनी की बाउंड्रीवॉल और सड़क को ध्वस्त कर दिया।

सचिव आशीष कुमार ने बताया कि जनपद में बिना मानचित्र स्वीकृति और नियमों के विपरीत विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ प्राधिकरण लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि अनाधिकृत कॉलोनियों के निर्माण को किसी भी स्थिति में बढ़ावा नहीं दिया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि उपाध्यक्ष के निर्देशन में समय–समय पर अवैध एवं अनाधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

101 आर.ए.एफ. में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया शहीद परिवार को किया गया सम्मानित

विजडम इंडिया प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता)101 रैपिड एक्शन फोर्स (आर.ए.एफ.) में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री मनीष कुमार भारती, कमांडेंट के मार्गदर्शन तथा श्री दिनेश चंद्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी–101 के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



सर्वप्रथम श्री दिनेश चंद्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी–101 द्वारा क्वार्टर गार्ड पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों द्वारा राष्ट्रगान तथा सामूहिक रूप से राष्ट्रभक्ति से ओत–प्रोत खंदे मातरम्भ का गायन किया गया। इस दौरान सभी ने देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा तथा अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

इसके पश्चात कमांडेंट–ए.ओ.डी. द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि स्वतंत्रता असंख्य वीरों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। उन्होंने जवानों से अनुशासन, निष्ठा एवं समर्पण के साथ राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विभिन्न पदकों से सम्मानित जवानों के नाम पढ़कर सुनाए गए तथा उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें बधाई दी गई। साथ ही सभी जवानों को मिष्ठान वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं। देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों के परिवारजनों के आवास पर जाकर 101 आर.ए.एफ. की ओर से सम्मान व्यक्त किया गया। परिवारजनों को अंगवस्त्र एवं मिष्ठान भेंट कर सम्मानित कियागया। अधिकारियों ने कहा कि शहीदों का त्याग सदैव राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा.

उक्त अवसर पर श्री नितिन कुमार, (उप कमांडेंट), श्री यज्ञ कुमार, (उप कमांडेंट) सहित अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अडि कारीगण, जवान, कावा सदस्य, शिक्षक, बच्चे एवं परिवारजन उपस्थित रहे।

आधार निर्माण फाउंडेशन ने आर पी रस्तोगी इंटर कश्लेज के मेधावी विद्यार्थियों को बांटी छात्रवृत्ति

विजडम इंडिया

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आर. पी. रस्तोगी इंटर कॉलेज में आयोजित समारोह के दौरान प्रतिभावान एवं मेध ावी विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए आधार निर्माण फाउंडेशन द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। संस्था की इस पहल से विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ गई और उपस्थित लोगों ने फाउंडेशन के प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को कुल 20,000 की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई। आधार निर्माण फाउंडेशन के रीजनल डायरेक्टर विनोद द्विवेदी ने चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की धनराशि के चेक प्रदान किए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होनी चाहिए। आर्थिक परिस्थितियों के कारण किसी मेधावी विद्यार्थी की शिक्षा प्रभावित न हो, इसी उद्देश्य से ऐसे प्रयास विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही आने वाले समय में देश का भविष्य तय करेंगे। शिक्षा के साथ संस्कार, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भी आवश्यक है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. लाल जी यादव ने आधार निर्माण फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति जैसी पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे न केवल मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग मिलता है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में श्री सी. एल. चौरसिया, असिस्टेंट डायरेक्टर, माध यमिक शिक्षा बोर्ड, उत्तर प्रदेश की गरिमायमी उपस्थिति रही। उन्होंने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में प्रशंसाओं को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों, विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने आधार निर्माण फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री एस. सी. शुक्ला जी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि संस्था द्वारा शिक्षा एवं प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए किया जा रहा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम ने समारोह को और अधिक सार्थक बना दिया। विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। उपस्थित अतिथियों ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें निरंतर मेहनत करते हुए विद्यालय एवं देश का नाम रोशन करने का संदेश दिया।

‘दिमागी नक्सली’ यानी सियासी तापमान बढ़ाने वाले शब्द

लालकिले की प्राचीर से देश के संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने जो कहा, उस पर एक बार फिर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, २21वीं सदी में यह बहुत जरूरी है कि हम दशकों पुरानी उन चुनौतियों को खत्म करें, जिन्होंने देश को पीछे रखा है। नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है।लालकिले की प्राचीर से होने वाले प्रधानमंत्री के सालाना संबोधन पर चर्चाएं और बहसें होना कोई नई बात नहीं है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री द्वारा प्रयुक्त दो शब्दों ‘दिमागी नक्सल’ ने चर्चाओं की तासीर बढ़ा दी है। ऐसा नहीं कि इन शब्दों के संजीदापन को प्रधानमंत्री नहीं जानते होंगे। प्रधानमंत्री द्वारा इन शब्दों के प्रयोग के पीछे दो वजहें साफ नजर आती हैं। दरअसल इस बहाने प्रधानमंत्री देश के उस वर्ग की तरफ दिलाना चाहते हैं,

सम्पादकीय

ययार्य से टकराती कयाएँ

हकीकत से कटे नैरेटिव्स का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। जेन—जी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है।भारत का राजनीतिक विमर्श काफी पहले शालीनता की हदें तोड़ चुका है, इसलिए इसमें नए अपशब्दों के जुड़ने पर शायद ही किसी को एतराज होता है। तीखे ध्रुवीकरण की मौजूदा सूरत में किसी नेता की टिप्पणियों को गरिमा—विहीन या मर्यादा के खिलाफ बता कर उसे घेरने की रणनीति का विरोध णि खेमों पर अब कोई असर नहीं होता। कई वर्षों तक इस नई स्थिति का लाभ भाजपा ने उठाया। भाजपा नेताओं को लेकर कुछ हलकों से तब भी ऐसे शब्द बोले जाते थे, लेकिन तब कथानक पर भाजपा इकों—सिस्टम का इतना दबदबा था, वे शब्द बोलने वाले को ही भारी पड़ जाते थे। लेकिन यह बदले माहौल की ही संकेत है कि ऐसे लफ्ज अब जनमत के एक बड़े हिस्से में नया राजनीतिक कथानक गढ़ने का काम करने लगे हैं।

भाजपा काफी समय तक विपक्षी नेताओं को प्रहसन—पात्र के रूप में पेश सियासी फायदे उठाती रही, मगर अब सोशल मीडिया— खासकर रील्स के इस्तेमाल से वैसी ही छवि उनके शीर्ष नेताओं को पेश की जा रही है, जिसे एक बड़ा श्रोता वर्ग मिल रहा है। बेशक, यह स्थिति लाने में जेन—जी के आंदोलनों ने बड़ी भूमिका निभाई है। भाजपा के सामने सवाल खड़ा है कि कहानी ऐसे क्यों पलटने लगी है? वे आत्म—मंथन करें, तो शायद उन्हें आभास होगा कि यथार्थ से कटे कथानकों का अपना जीवनकाल होता है। जब उनका सामना विपरीत होते जमीनी हालात से होता है, तो उनमें दरारें पड़ने लगती हैं। जेन—जी का तेवर उन्हीं हालात का नतीजा है। हिंदुत्व की पहचान के साथ शक्तिव गुरुध की हैसियत दिलाने के वादों से वह छली गई महसूस कर रही है, तो उसकी वजहें हैं। ये पीढ़ी श्वेक इन इंडियाव, २नया भारतव, २देश बदल रहा हैव, २शमुत कालव, २विकसित भारतव जैसे नारों को सुनते हुए जब बड़ी हुई, तो उसने पाया कि असल में उसके पास आगे बढ़ने के पहले जितने अवसर भी उपलब्ध नहीं हैं। तो वह हिसाब मांग रही है। इसका जवाब २सप्तधाराव जैसे नए नैटेरिव गढ़ कर नहीं दिया जा सकता। ना ही २दिमागी नक्सलियोंव को अलग—थलग करने जैसे एलान नई परिस्थितियों में अपेक्षित भय पैदा कर सकेंगे।

नागरिकों पर ही है शहर साफ रखने की जिम्मेदारी

सिर्फ सरकार को कोसना काफी नहीं। हमें खुद को भी आईना दिखाना होगा। अवैध निर्माण, मानकों से ज्यादा मजिलें, नालियों में कचरा फेंकना, ये सब हम खुद करते हैं। ग्रामीण जीवन में जो सामूहिक जिम्मेदारी की भावना थी, शहर आकर हम भूल गए। कहने को शहरी हैं, लेकिन व्यवहार जंगली जैसा।

बरसात शुरू होते ही शहरों की गलियों—मोहल्लों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है। मौसम विभाग अगर सही अनुमान लगाता है तो मूसलाधार बारिश के अनुमान के बावजूद देश के हर शहर में बरसात के गंदे पानी के तालाबों के बीच नारकीय जिनगी जीने को मजबूर क्यों हो जाते हैं? हर साल यही कहानी दोहराई जाती है। लेकिन इसकी जिम्मेदारी क्या केवल सरकार की है? क्या नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं? क्या कारण हैं कि हर साल मानसून में देश के कई शहर नदी नालों में तब्दील हो जाते हैं? सरकार की बात करें तो इसके तीन बड़े कारण हैं। पहला, बिना योजना के बसी कॉलोनियों और प्रशासन की ऑख मूँदकर दी गई अनुमति। सड़क, नाली, सीवरज् कुछ भी सही न हो तो भी कॉलोनी पास। दूसरा, नालियों और सीवर में ठोस कचरा जमा होना, क्योंकि स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाते। तीसरा और सबसे खतरनाक, हर दो—तीन साल में सड़कों की ऊँचाई बढ़ा देना। जिससे आसपास के मकानों का तल हमेशा नीचे होता जाता है और पानी भराव की मुख्य वजह बन जाता है। पहले दो कारणों पर तो हर साल मीडिया में शोर मचाता रहता है। लेकिन सड़क का बार—बार ऊँचा होना कोई नहीं पूछता। क्यों? क्योंकि जितनी मोटी सड़क बिछाई जाएगी, ठेकेदार और इंजीनियरों का मुनाफा उतना ही बढ़ेगा। पहली बार अच्छी गुणवत्ता की सड़क बना दी जाए तो बार—बार बनाने की जरूरत ही न पड़े। थोड़े—बहुत पैचवर्क से काम चल सकता है, वहीं भी पूरी नई सड़क डाल दी जाती है। बिना इस बात का लिहाज किए कि सड़क के दोनों तरफ रहने वाले आम लोगों की इतनी हैसियत नहीं होती कि वे हर दो साल में अपने घर का फर्श ऊँचा करा लें।यदि विदेशों से तुलना की जाए तो एक बार भी ऐसा नहीं देखा कि विदेशों की किसी कॉलोनी की सड़क अचानक ऊँची हो गई हो या किसी मकान का फर्श सड़क से नीचे हो गया हो। सौ साल पुराने मकानों में भी यह समस्या नहीं है। न सड़क का स्तर बढ़ा, न घर का फर्श नीचा हुआ। तो हमारे इंजीनियरों की अकल पर क्या पत्थर पड़ गए हैं? या समझते तो हैं, लेकिन रिश्वत की हवस में करोड़ों लोगों की जिंदगी में हर दो—चार साल मुसीबत खड़ी कर देते हैं।

में रखा, बंदूक के दम पर शासन किया और संविधान की धज्जियां उड़ाई। आज हथियारों वाले नक्सल से बड़ी चुनौती दिमागी नक्सली ज्यादा खतरनाक हैं, इससे देश को बचाना होगा।कभी देश के एक तिहाई हिस्से को लाल गलियारे के रूप में जाना जाता था। कभी माओवादियों और नक्सलियों की समानांतर सत्ता नेपाल से लेकर आंध्र प्रदेश तक समानांतर सत्ता चलती थी। उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों को ‘ पशुपति से तिरुपति तक ’ के नाम से जाना जाता था। देश का गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने 31 मार्च तक देश को लाल गलियारे से मुक्त कराने का वादा किया था। अमित शाह की दोहरी रणनीति के चलते यह गलियारा अब नक्सली हिंसा और आतंक से मुक्त हो चुका है। इसे संयोग कहें या कुछ और, जिस वक्त लाल किले से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर रहे थे, उसी वक्त लाल गलियारे वाले उड़ीसा के मलकानगिरी और छत्तीसगढ़ के बस्तर के कई गांवों में पहली बार तिरंगा लहरा रहा था। उन तिरंगों को सलामी देने वालों में वे लोग भी भारतीय संविद्ान के तहत हासिल पुलिस या होमगार्ड की वर्दी में शामिल थे,

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची ने जो सियासी संकेत दिया है वह सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रमारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है।[नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनौती जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों

मोदी को पता भी कि लालकिले से क्या बोला?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ताजा जुमला इतिहास में उनकी याद का शायद एक और शब्द हो। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति, भारतीय मानस की शब्दावली में एक विचित्र नया लेबल जोड़ाकृदिमागी नक्सल।

मानती हूँ, मेरे जैसे लोगों के लिए इस शब्द में एक खास तरह की गुंथ है। भारत सके लोगों ने भी इसे पकड़ने में देर नहीं लगाई। चौबीस घंटों के भीतर ही सोशल मीडिया पर गर्व से खुद को २दिमागी नक्सलव कहने वाले लोग आ गए, रेडिट पर इसके लिए अलग प्लेयर की मांग होने लगी, दिमागी जनता पार्टी बनाने के मजाक चलने लगे, जबकि पी. चिदंबरम ने सीधे घोषणा कर दी कि उन्हें दिमागी नक्सल कहलाने पर गर्व है।

दरअसल राजनीतिक गलियों की एक दिवचस्प आदत होती हैकृवे अपने रचयिता के हाथ से तुलत निकल जाती हैं। फिर दिमागी होना कोई सबसे बुरा आरोप भी नहीं है। आखिर सर्वप्रथम दिमाग तो है!

लेकिन मजाक को थोड़ी देर के लिए किनारे रखिए और पहले उस मंच को देखिए जहां से यह कहा गया।

स्वतंत्रता दिवस साल का वह एक दिन है जब प्रधानमंत्री केवल किसी पार्टी या सरकार के मुखिया की तरह नहीं, बल्कि गणराज्य की आवाज की तरह बोलता है। लाल किला वह जगह है जहां भारत खुद को देखता हैकृअपनी यात्रा, अपनी महत्वाकांक्षाओं, अपनी उम्मीदों कोकृऔर अपने लोगों से, और दुनिया से, यह कहता है कि वह अपने बारे में क्या मानता है।

यही वह मंच है जहां से प्र्धानमंत्रियों ने ऐसे शब्द छोड़े हैं जो अपने भाषणों से बड़े हो गए। नेहरू ने एक युवा भारत को

जो हाल के दिनों तो इन इलाकों में भारतीय संविधान को नहीं मानते थे, जिनका मानना था कि सत्ता बारूद से निकलती है। अब भी उनके हाथों में बंदूकें हैं, जिनके ट्रिगर पर अब भी उनकी ही उंगलियां हैं,लेकिन अब वे भारतीय संविधान की मर्यादा से बंध चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बदलाव को रेखांकित किया है, लेकिन उन्हें आश्ंका है कि समाज के विशेषकर बौद्धिक वर्ग में जो नक्सलवादी मानस के लोग हैं, उनसे निबटना आसान नहीं है। वैसे दिमागी नक्सली कोई नए शब्द नहीं है। करीब दशक भर पहले फ़िल्मकार विवेक अग्निहोत्री ने इसी तरह अर्बन नक्सली शब्द का इस्तेमाल किया था। तब से वामपंथी हिंसा का विरोधी मानस इन शब्दों का खुलकर प्रयोग करता रहा है। वह मानता रहा है कि देश में जब भी अराजक परिस्थितियां बनती हैं, उसके पीछे अर्बन नक्सलियों की ही सोच काम करती है। कह सकते हैं कि दिमागी नक्सली शब्द ने उन्हीं शब्दों को नई पहचान दे दी है। देश का अधिसंख्य बौद्धिक समाज शायद ही इससे इत्तेफाक रखता हो, लेकिन अतीत में यह वर्ग

‘दबाव समूह’ के रूप में काम करता रहा है। छह अप्रैल 2020 को दतेवाड़ा में घात लगाकर नक्सलियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस



बल के 75 और छत्तीसगढ़ पुलिस के एक सवाल को बारूदी सुरंगों से उड़ा दिया था। इस घटना के बाद देश का बड़ा वर्ग सदमे में था। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने नक्सलियों को सबक सिखाने के लिए सैनिक कार्रवाई करने की ठान ली थी। उस दौरान भी दिमागी नक्सलियों को विश्वविद्यालयों और दूसरे संस्थानों में चिन्हित करने की प्रक्रिया चली थी। लेकिन शहरों

सूची ने जो सियासी संकेत दिया है वह सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

मुश्किल है। यह संकेत है कि नितिन नबीन डिजिटल और राजनीतिक नैरेटिव की लड़ाई में नई रणनीति और नए चेहरों के साथ उतसना चाहते हैं। साथ ही चूंकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में पार्टी के प्रमारी रह चुके हैं ऐसे में वह जानते हैं कि उस राज्य के किस नेता की कार्यक्षमता का उपयोग कहाँ पर करना पार्टी के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।इसके अलावा, स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली, संसदीय अनुभव और विषय के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए, पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर

रही, लेकिन अमित शाह ने इसे बदलकर श्रूरी तरह खत्म करनेश् की रणनीति को अपनाया। इसके तहत, श्वामपंथी उग्रवाद’ के प्रति



इस घटना के तीन साल एक महीने बाद 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में घात लगाकर नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तकरीबन समूचे नेतृत्व को उड़ा दिया था। भुक्तभोगी होने के बावजूद कांग्रेस की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने नक्सलियों को नेस्तनाबूद करने के लिए न तो ठोस रणनीति बना सकी और न ही रोक लगाने में कामयाब हुई। वह सिर्फ श्रेोकथामश् की रणनीति पर चलती

हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी की मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की है।साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है।

आज का राशिफल

मेष राशि—	मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज बच्चों की तरफ से आपको गुड न्यूज मिल सकती है।
वृष राशि—	वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी विदेश यात्रा भी हो सकती है और ये यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी।
मिथुन राशि—	मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक—ठाक बना रहेगा। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी लेकिन आप लेन देन करते समय थोड़ी सतर्कता बरतें।
कर्क राशि—	कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने पिता का काम में हाथ बतायेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी।
सिंह राशि—	सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए उपयोगी बना रहेगा। आज आपके सारे रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे।
कन्या राशि—	कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है,
तुला राशि—	तुला राशि वालों आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।
वृश्चिक राशि—	वृश्चिक राशि वालों आज का दिन के लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप अपने बड़े बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है।
धनु राशि—	धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा।
मकर राशि—	मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। आज आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे,
कुम्भ राशि—	कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपको कई दिनों से रुके हुए काम में सफलता मिल सकती है, जिससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।
मीन राशि—	मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा है,

पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर संयुक्तरूप से कार्य करते हुए प्रकरण का गुणवत्तायुक्तकरें निस्तारण- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिाकारी रविन्द्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जनसमस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसके साथ ही जनपद की अन्य तहसीलों में भी नामित अधिकारियों की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित कर आमजन की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। माह के तीसरे शनिवार को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के कारण अगले कार्यदिवस सोमवार को जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिाकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि समााधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिात मामले राजस्व विभाग से संबंधित हैं, इसलिए राजस्व अधिकारी व पुलिस से अधिकारी विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच करें तथा स्थायी समाधान सुनिश्चित करें।संपूर्ण समाधान दिवस में दियाग प्रमाण–पत्र, भूमि संबंधी विवाद, राशन कार्ड, नहर में पानी की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिाकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका नियमानुसार परीक्षण कर प्रमावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में मौके पर जांच एवं संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता है, उनमें संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर

भेजकर शिकायत का निस्तारण कराया जाए, ताकि फरियादी को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कई प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को मौके पर ही आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए तथा कुछ मामलों के निस्तारण के लिए निर्धारित समय–सीमा भी तय की गई।जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को केवल औपचारिकता के रूप में न लिया जाए, बल्कि उसकी केस–टू–केस समीक्षा करते हुए निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। गंभीर एवं त्वरित समाधान की आवश्यकता वाले मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए, जबकि अन्य प्रकरणों में नि्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिात मामले राजस्व विभाग से संबंधित हैं, इसलिए राजस्व अधिकारी व पुलिस से अधिकारी विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्ष जांच करें तथा स्थायी समाधान सुनिश्चित करें।संपूर्ण समाधान दिवस में दियाग प्रमाण–पत्र, भूमि संबंधी विवाद, राशन कार्ड, नहर में पानी की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिाकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में एसपी सिटी मधुबन सिंह ने समाज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा, रक्तदान एक अत्यंत पुनीत कार्य है। हमारे द्वारा दान किया गया रक्त शरीर में बहुत जल्द पुनः बन जाता है, जबकि यही रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।द्वारा के अध्यक्ष अतुल कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि शिविर में समाज के युवाओं और गणमान्य लोगों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 46 यूनिट रक्तदान संपन्न हुआ।इस अवसर पर अंशुल सिंघल, हर्षित अग्रवाल, हिमांशी मित्तल, अश्वनी मित्तल, लता मित्तल, शीतल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, आस्था अग्रवाल, आशीष कुमार, नवीन अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अभिलाष राय, राहुल अग्रवाल, सौरभ गुप्ता और आदित्य अग्रवाल सहित संस्था के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अग्रवाल धर्मशाला में रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

आजमगढ़। नगर के पुरानी कोतवाली स्थित अग्रवाल धर्मशाला प्रांगण में श्री अग्रसेन की सेना और अग्रवाल धर्मशाला भंडार के संयुक्त तत्त्वधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्री अग्रवाल हितकारिणी त्र्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष अतुल कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी सिटी मधुबन सिंह ने फीता काटकर किया।शिविर के दौरान मुख्य अतिथि ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में एसपी सिटी मधुबन सिंह ने समाज के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा, रक्तदान एक अत्यंत पुनीत कार्य है। हमारे द्वारा दान किया गया रक्त शरीर में बहुत जल्द पुनः बन जाता है, जबकि यही रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।द्वारा के अध्यक्ष अतुल कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि शिविर में समाज के युवाओं और गणमान्य लोगों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 46 यूनिट रक्तदान संपन्न हुआ।इस अवसर पर अंशुल सिंघल, हर्षित अग्रवाल, हिमांशी मित्तल, अश्वनी मित्तल, लता मित्तल, शीतल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, आस्था अग्रवाल, आशीष कुमार, नवीन अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, अभिलाष राय, राहुल अग्रवाल, सौरभ गुप्ता और आदित्य अग्रवाल सहित संस्था के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

जन जागृति चौपाल में उमड़ा जनक्रोशः नीतियों में सुधार न हुआ तो भाजपा प्रत्याशियों का होगा खुला विरोध-रामजी पाण्डेय

बस्ती। राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा द्वारा भादी बुर्जुग गांव में आयोजित जन जागृति आक्रोश चौपाल में उपस्थित लोगों ने यूजीसी काले कानून एवं शिक्षा में आरक्षण, स्वास्थ्य सेवा की बढहाल व्यवस्था एवं युवाओं के भविष्य तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। सभा में मोर्चा अध्यक्ष रामजी पाण्डेय ने कहा कि सरकार यूजीसी काले कानून को जल्द वापस लिया जाए नहीं तो सवर्ण समाज आगामी चुनाव में वोट से इस भाजपा सरकार को उखाड़ कर फेंकने का काम करेगा। अगर सरकारी जन सुविधाओं को नजर अंदाज करती रही और ई–20 पेट्रोल नीति सहित आम जनता को प्रभावित करने वाली विभिन्न नीतियों पर सुधार नहीं हुआ तो चुनाव में सरकार का खुलकर विरोध और वहिष्कार किया जाएगा और वोट मांगने आए प्रत्याशियों को चूड़ी बिंदी से स्वागत होगा।

अमिततेष प्रताप सिंह ने कहा कि जिन नए प्रावधानों का विरोध किया जा रहा है, उसमें सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य पर खतरा हैं उन्हें बिना व्यापक जनसंवाद और सहमति के लागू किया गया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष व्याप्त हैं। यशवंत सिंह रोलू ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार अनिश्चितता की ओर

बढ रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार आरक्षण से योग्यता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। चन्द्रशे सिंह जी ने कहा यूजीसी काले कानून से युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों तथा उच्च शिक्षा में बार–बार किए जा रहे बदलावों ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया है। प्रमोद सिंह जी ने मांग किया कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक प्रयोगों का माध्यम बनाने के बजाय छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

चौपाल में नौकरियों में आरक्षण एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि आम नागरिक को आज भी गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। मोर्चा का मानना है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सीय सुविधाएं बढ़ाने तथा गरीब और मध्यम वर्ग के लिए

हस्तक्षेप आवश्यक है, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेते हुए निस्तारित किया जाए।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि शिकायतों का सही एवं प्रभावी निस्तारण प्रारंभिक स्तर पर ही कर दिया जाए तो शिकायतकर्ता को बार–बार अधिकारियों के पास आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगा। उन्होंने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिाकारियों को बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे भूमि विवादों एवं अन्य संवेदनशील मामलों का समय रहते समाधान हो सके।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मेड़बंदी तोड़ने, जबरन कब्जा करने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध ऐसी प्रभावी कार्रवाई की जाए कि वह दूसरों के लिए भी नज्ीर बने। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित अधिकारी प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्रवाई करेंगे तो शिकायतों की संख्या स्वतः कम हो जाएगी तथा आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा।सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 103 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 19 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 84 शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।इस अवसर पर मुख्य विमर्किस्ता अधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा, परियोजना निदेशक सचि्वदानंद प्रसाद, डीसी एनआरएलएम डॉ0 आराधना त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी लालगंज नेहा मिश्रा, तहसीलदार लालगंज सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिऔध कला केन्द्र में हुआ जनपदीय कार्यक्रम

जनपद आजमगढ़ में मुख्य कार्यक्रम हरिऔध कला केन्द्र में विधानसभा आजमगढ़ एवं मुबारकपुर के उचित दर विक्रेताओं की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह, अखिलेश कुमार मिश्र उर्फ गुड्डू, अरविन्द जायसवाल तथा ब्लॉक प्रमुख जहानगंज रमेश कन्नीजिया उपस्थित रहे।जनपद आजमगढ़ में वर्तमान में 2,141 उचित दर विक्रेता हैं। जनपद में कुल 1,83,750 कुंतल खाद्यान्न का आवंटन होता है। पूर्व में रू0 90 प्रति कुंतल की दर से उचित दर विक्रेताओं को कुल रू0 1,65,37,500 (एक करोड़ पैंसठ लाख सैंतीस हजार पांच सौ रुपये) लाभांश का भुगतान किया जाता था। अब लाभांश की दर बढ़ाकर रू0 125 प्रति कुंतल किए जाने के बाद इसी आवंटन पर उचित दर विक्रेताओं को कुल रू0 2,29,68,750 (दो करोड़ उन्तीस लाख अड़सठ हजार सात सौ पचास रुपये) का लाभांश प्राप्त होगा।इस प्रकार जनपद आजमगढ़ के उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में कुल रू0 64,31,250 (चौंसठ लाख इकतीस हजार दो सौ पचास रुपये) की वृद्धि होगी। लाभांश में हुई इस बढ़ोतरी पर जनपद के उचित दर विक्रेताओं ने मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की।जिलाध्यक्ष ध्रुव सिंह ने कहा कि नई व्यवस्था से उचित दर विक्रेताओं के मानदेय में पारदर्शिता, प्रक्रिया में सुगमता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रभावशीलता को और मजबूती मिलेगी।उक्त कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वि0धरा0 गम्भीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी रामेन्द्र प्रताप सिंह, जिला सूचना अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार, एआरओ, सप्लाई इंस्पेक्टर आदि उपस्थित रहे। इस दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों के उचित दर विक्रेताओं ने मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा तथा लाभांश में की गई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।इसी प्रकार जनपद की शेष 08 विधानसभा क्षेत्रों में भी संबंिात ब्लॉक सभागारों में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जनप्रतिनिधियों एवं उचित दर विक्रेताओं की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उचित दर विक्रेताओं ने राज्य सरकार द्वारा किए गए लाभांश में वृद्धि के निर्णय को उनके हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूरी हुई राशन कोटेदारों की आस नई प्रणाली, लाभांश वृद्धि से उल्लास

आजमगढ़.(आर एन एस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश के 78 हजार प्लस उचित दर विक्रेताओं के लाभांश में वृद्धि करते हुए कमीशन को रू0 90 से बढ़ाकर रू0 125 प्रति विवंटल करने एवं सिंगल स्टेज डोर–स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई–पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का भी शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद आजमगढ़ में हरिऔध कला केंद्र सहित जनपद के सभी 10 विधान सभाओं में संबंधित ब्लाक सभागार में किया गया। पारदर्शिता और सुगमता को मिलेगा बढ़ावा इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वृद्धि से प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने में सहायता मिलेगी। नई व्यवस्था से उचित दर विक्रेताओं के पारिश्रमिक में पारदर्शिता, प्रक्रिया में सुगमता और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रभावशीलता को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से प्रदेश में 15 करोड़ से अधिक लोगों को नि:शुल्क राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि निराश्रित एवं दिव्यांगजन, जो राशन की दुकान तक नहीं आ सकते, उनके घर तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उचित मूल्य की दुकानों को ‘अन्नपूर्णा भवन’ के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस वर्ष इसके लिए रू0 500 करोड़ की व्यवस्था की गई है। अन्नपूर्णा भवन में दुकान के साथ–साथ वेयरहाउस की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

नागपंचमी मोहली घाट अखाड़े में गदा प्रतियोगिता, राष्ट्रीय पहलवान बृजेश यादव बने भीम गदा विजेता

आजमगढ़ नागपंचमी के पावन पर्व पर मोहटी घाट स्थित बाबा मोहटी दास आश्रम मठ अखाड़े पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य गदा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुश्ती व शक्ति प्रदर्शन के इस पारंपरिक आयोजन में पहलवान दीपक यादव द्वारा प्राचीन 50 किलोग्राम वजनी भीम गदा को उठाकर भांजने की खुली चुनौती रखी गई थी, जिसे स्वीकार करने जिलेभर से बड़ी संख्या में पहलवान पहुंचे।झमाझम हो रही बारिश के बीच प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण दुल्लहपार निवासी राष्ट्रीय पहलवान बृजेश यादव का प्रदर्शन रहा। उन्होंने अपने पिता कैलाश यादव की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 50 किलो की प्राचीन भीम गदा को न सिर्फ आसानी से उठाया, बल्कि 10 हाथ सफलतापूर्वक भांजकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। आयोजक पहलवान दीपक यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के इतिहास में बीते 14 वर्षों बाद इस भीम गदा को उठाकर विजय हासिल करने वाले बृजेश यादव जिले के पांचवें विजेता पहलवान बन गए हैं। विजयी पहलवान बृजेश यादव की इस उपलब्धि पर अखाड़ा समिति द्वारा उन्हें भव्य गदा एवं 5,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रुदल साहनी, रघुवीर साहनी, पिंटू, दुधई साहनी सहित अखाड़ा समिति के अन्य सदस्य व बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

नाग पंचमी पर बढौली बाबू में दर्दनाक हादसा, पोखरे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

गोरखपुर, नाग पंचमी के पर्व पर बांसगांव के बढौली बाबू गांव में खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब पोखरे में स्नान करने के दौरान तीन बच्चे गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में हरीश (11), सचिन (14) और अनुज (9) की मौत हुई है।[जानकारी के अनुसार, नाग पंचमी के अवसर पर गांव के बच्चे पोखरे के पास पुतली पीटने की रस्म में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान कुछ बच्चे पोखरे में स्नान करने लगे। अचानक तीन बच्चे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही मौके पर चीख–पुकार मच गई।[बच्चों के बचाने के लिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि। विकास सिंह ने अपनी जान की परवाह किए बिना पोखरे में उतरकर काफी देर तक तलाश की। ग्रामीणों की मदद से तीनों

बच्चों को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।[मौके पर पहुंचे अधिकारी और विधायकहादसे में सूचना मिलते ही तहसील परिसर में मौजूद अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। तहसीलदार सुशील कुमार भारतीया, नायब तहसीलदार राकेश शुक्ला, सीईओ अनुज कुमार सिंह, करबा चौकी इंचार्ज विकास सिंह भदौरिया समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।बांसगांव विधायक डॉ. विमलेश पासवान भी मौके पर पहुंचे और पीडित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांडस बंाया। एक साथ तीन बच्चों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।हरीश था परिवार का इकलौता बेटा11 वर्षीय हरीश पुत्र राधेश्याम यादव अपने परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों के मुताबिक, काफी पूजा–पाठ और मन्त्रों के बाद हरीश का जन्म हुआ था। उसकी एक बहन है।

शालू है। हरीश के पिता राधेश्याम यादव दुबई में नौकरी करते हैं। परिवार में तैनात थे और शहीद हो चुके हैं, जबकि दूसरे भाई संगम यादव सेना में कार्यरत हैं। हरीश की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सचिन कक्षा छह का छात्र था14 वर्षीय सचिन पुत्र भजुमार कक्षा छह में पढ़ता था। उसका बड़ा भाई सनी करीब 15 वर्ष का है और कक्षा आठ में पढ़ता है। सचिन के पिता सूरत में मजदूरी करते हैं। बेटे की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।अनुज भी हादसे का शिकारनौ वर्षीय अनुज पुत्र सत्य प्रकाश कक्षा तीन का छात्र था। उसका बड़ा भाई अनूप करीब 14 वर्ष का है और कक्षा आठ में पढ़ता है। अनुज के पिता गुजरात में पेंट–पॉलिश का काम करते हैं। बेटे की मौत की खबर से परिवार में चीख–पुकार मची हुई है।नाग पंचमी के पर्व पर हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे बढौली बाबू गांव की खुशियों को मातम में बदल दिया। तीन मासूम बच्चों की मौत से गांव में हर आंख नम है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

जनपदीय कुश्ती प्रतियोगिता सम्पन्न, मण्डलीय प्रतियोगिता के लिए आठ का चयन

बस्ती। किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज रायठ में सोमवार को जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय फ्री स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ आयोजक विद्याल के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पूजन एवं माल्यार्पण कर किया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से करीब 20 खिलाड़ियों ने अलग–अलग आयु एवं भार वर्गों में भाग लिया किया। खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन के आधार पर आठ खिलाड़ियों का चयन मंडलीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया

गया।प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अशोक इंटर कॉलेज छावनी के सुलेमान और किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज के मधुसुंदर के बीच हुआ, जिसमें सुलेमान विजयी रहे। दूसरे मुकाबले में सिद्धार्थ ने अरुण को हराकर जीत दर्ज की। तीसरे मुकाबले में मोहम्मद कैफ और मोहम्मद आरिफ के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें मोहम्मद आरिफ को विजेता घोषित किया गया। पूरी प्रतियोगिता में अशोक इंटर कॉलेज छावनी के खिलाड़ियों का दबदबा रहा और विद्यालय ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि किसान सर्वोदय इंटर कॉलेज रायठ की टीम द्वितीय स्थान पर रही। समापन अवसर पर

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार सिंह ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन आयोजक विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राकेश कुमार ने किया।प्रतियोगिता जनपदीय क्रीड़ा समिति के सदस्य प्रभाकर ओझा एवं सुरेंद्र कुमार शुक्ला की देखरेख में संपन्न हुई। निर्णायक की भूमिका मन्वन्त लाल, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बनकटी तथा जितेंद्र कुमार वरुण, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक रघुौली ने निभाई।इस अवसर पर अजय कुमार राव, डॉ. राम हरीश मोर्य, नागेंद्र प्रताप सिंह, बुरशा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, खेल प्रेमी एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिव और राम की आराधना से गूंजी अयोध्या की गलियां

अयोध्या। सावन के तीसरे सोमवार और नाग पंचमी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या पूरी तरह शिवमय हो गई। तड़के सुबह से ही शहर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर–हर महादेव और बम–बम भोले के जयकारों से पूरा अयोध्या गूंज उठा। भक्तों ने सबसे पहले पवित्र सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद श्रद्धालु प्राचीन नागेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे, जहां भगवान श्रीराम के पुत्र कुश द्वारा स्थापित माने जाने वाले इस मंदिर में विशेष जलामिषक किया गया। योगी सरकार के दिशा निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सोमवार को नागेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भारी भीड़ के देखते हुए मंदिर प्रशासन ने चरणबद्ध तरीके से प्रवेश की व्यवस्था की। सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा। बैरिकेडिंग लगाई गई और निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से सुख–समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और देश की खुशहाली की कामना की। इसके अलावा क्षीरेश्वरनाथ, पंचमुखी महादेव, झारखंडेश्वर व रुद्रेश्वर महादेव समेत अन्य शिवालयों में देर शाम तक ओम नमः शिवाय की गूंज सुनाई देती रही। श्रद्धालुओं का कहना था कि ऐसे पावन अवसर पर सरयू स्नान, शिव जलामिषेक और रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिलना अद्भुत अनुभव है। अयोध्या की गलियां आज शिव और राम दोनों की आराधना से गूंज रही थीं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भी श्रद्धा और उत्साह का अनोखा माहौल देखने को मिला। मुख्य मंदिर में माता सीता और श्रीराम समेत चारों भाई बेटों के हिंडोले में विराजमान रहे। रामभक्त श्रद्धालुओं ने भावविभोर होकर प्रभु को झूला झुलाया और जयकारे लगाए। राम में रमे भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। मुख्य मंदिर और परकोटे के दक्षिणी भुजा के मध्य स्थित शेषावतार मंदिर इस अवसर पर विशेष आकर्षण का केंद्र बना। लक्ष्मण जी के शेषावतार स्वरूप की विशेष पूजा–अर्चना की गई। नाग पंचमी के दिन शेषनाग के अवतार के रूप में लक्ष्मण जी की यह पूजा श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अयोध्या एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि जिला प्रशासन ने पूरे दिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी। यातायात व्यवस्था सुचारु रखने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किए गए। शहर के विभिन्न शिवालयों और राम मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही बनी रही।

रामलला दर्शन को आने वाले श्रद्धालु हमारे अतिथि, करें सत्कार - गिरीशपति त्रिपाठी

अयोध्या। नगर निगम की ओर से होटल संचालकों एवं व्यापारियों के साथ आयोजित बैठक में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आने वाले श्रद्धालु हमारे अतिथि हैं। उनका सत्कार की भावना से स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अन्य धार्मिक नगरियों की तुलना में अयोध्या काफी साफ–सुथरी है और यहां जलापूर्ति की व्यवस्था भी बेहतर हुई है। यातायात को लेकर व्यापारियों की ओर से आ सुझावों के समाधान का भी प्रयास किया जाएगा। महापौर ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए मानस भवन और कंचन भवन की ओर से दो वैकल्पिक मार्ग विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने होम स्टे और होटल संचालकों से आग्रह किया कि ग्राहकों के कमरों में रामायण एवं पूजन के लिए आसनी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अयोध्या पर्यटन के लिए नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा ग्रहण करने के लिए आते हैं। इसलिए यहां से लौटते समय उनके मन में अयोध्या की दिव्यता और आध्यात्मिकता की अनुभूति होनी चाहिए।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने होटल संचालकों से कहा कि प्रत्येक कमरे में दो डस्टबिन रखें। नीले डस्टबिन में सूखा और हरे में गीला कचरा रखने की व्यवस्था हो। होटल से ही स्वच्छता का संदेश श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि घर–घर कूड़ा अलग करने की संस्कृति विकसित होने से नगर निगम को काफी सुविधा होगी। बैठक का संचालन अपर नगर आयुक्त भारत भार्गव ने किया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुंदेश कुमार पांडेय ने बताया कि इस मौके पर वशिष्ठ फाउंडेशन की ओर से होटल संचालकों को रामायण उपलब्ध कराई गई। साथ ही स्वच्छता नियमावली की प्रतियां और पंपलेट वितरित किए गए। सफाई संबंधी समस्याएं हल न होने पर मोबाइल नंबर 7311165804 पर सूचना देने की अपील की गई। बैठक में होटल संचालक अनिल अग्रवाल ने फतेहगंज से चौक तक सड़क की मरम्मत का मुद्दा उठाया। व्यापारियों को महापौर ने नाका और सिविल लाइन की तर्ज पर फतेहगंज ओवरब्रिज के नीचे बेंडिंग जोन विकसित करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर उपसभापति संतोष सिंह, पूर्व उपसभापति जयनारायण सिंह ‘रिंकू’, होटल व्यसपायी भागीरथ पचौरीवाला, अरुण अग्रवाल, प्रमंजनांदन, दीपक, श्रीनिवास शास्त्री, इंजीनियर रवि तिवारी के अलावा बड़ी संख्या में होटल एवं होम स्टे संचालक मौजूद रहे।

बसहा बस स्टाप परिवहन निगम की सूची में दर्ज

सोहावल–अयोध्या।लखनऊ गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–27 पर स्थित बसहा चौराहा अब परिवहन निगम के अधिकृत बस स्टाप की सूची में शामिल हो गया है। इससे लखनऊ, गोरखपुर समेत अन्य शहरों से इस मार्ग पर आने–जाने वाले यात्रियों का बसहा चौराहे तक का टिकट मिलना शुरु हो गया है । दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित पत्रकार धर्मपाल सिंह के प्रयास से बसहा चौराहा पर शहीद देवी प्रकाश सिंह के स्मारक के पास परिवहन निगम का स्टॉपेज बनने के बाद 20 जुलाई 2025 को उत्तर प्रदेश परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह द्वारा झंडी दिखाकर परिवहन निगम की बसहा बस सेवा का भव्य शुभारंभ हजारों लोगों की मौजूदगी में बीकापुर विधायक डा– अमित सिंह चौहान के साथ करके जनता को समर्पित किया था। स्टाप सेवा का भव्य शुभारंभ करने के दौरान शहीद देवी प्रकाश सिंह के सम्मान में सिंगल विंडो टिकट घर यात्रियों उठरने के लिए बेहतरीन ढंग से भवन बनवाने की बात कही थी।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक की समीक्षा बैठक में संगठन मजबूती पर हुई चर्चा

अयोध्या। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक की समीक्षा बैठक सफैंट हाउस में जिलाध्यक्ष जेडी सिंह की अगुवाई में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ बलबीर सिंह शिवाजी एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी हितेश प्रताप सिंह पंकज ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान पार्टी की मजबूती, आगामी 2027 के चुनाव के मक़ेज व आगामी कार्यक्रमों तथा संगठन को बू्थ स्तर तक मजबूत करने को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। पदाधिाकारियों ने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

पूरी हुई राशन कोटेदारों की आस, लाभांश वृद्धि से बढा उत्साह

-उचित दर विक्रेताओं का लाभांश 90 से बढ़ाकर 125 रुपए प्रति कुंतल किए जाने का मिला उपहार

चित्रकूट। सिंगल स्टेज डोर–स्टेप डिलीवरी के अंतर्गत ई–पास आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से बटन दबाकर किया गया। इस अवसर पर जनपद में कार्यक्रम का लाइव प्रसारण डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सहित उचित दर विक्रेताओं की उपस्थिति में देखा गया। इस अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उचित दर विक्रेताओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके लाभांश में वृद्धि की गई है। अब उचित दर विक्रेताओं

को 90 के स्थान पर 125 रुपए प्रति कुंतल लाभांश प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह उचित दर विक्रेताओं के लिए प्रसन्नता का विषय है तथा सरकार द्वारा दिया गया महत्वपूर्ण उपहार है। बताया कि जनपद में कुल 441 उचित दर की दुकानें संचालित हैं। जिनमें 47 दुकानें शहरी क्षेत्र तथा 394 दुकानें ग्रामीण क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025–26 में विभागीय एवं मनरेगा के माध्यम से जनपद में 60 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इनमें से

कुछ भवनों का हस्तान्तरण किया जा चुका है तथा शेष भवनों में फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि पूर्व में उचित दर की दुकानों के संबंध में शिकायतें प्राप्त होती थीं, लेकिन वर्तमान में शिकायतों में काफी कमी आई है। डीएम ने उचित दर विक्रेताओं से कहा कि कार्यालय में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक अधिकारियों की उपस्थिति रहती है। किसी भी प्रकार की समस्या अथवा कठिनाई होने पर तत्काल अवागत कराएं। ताकि उसका समयबद्ध निस्तारण कराया जा सके। डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में कहा

कि कार्य में तेजी लाते हुए अवशेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री भी पूर्ण कराई जाए। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उचित दर की दुकानों पर राशन वितरण के साथ–साथ अन्य उपयोगी उत्पादों की बिक्री भी की जा सकती है। उन्होंने उचित दर विक्रेताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह की उपस्थिति रहती है। किसी भी प्रकार की समस्या अथवा कठिनाई होने पर तत्काल अवागत कराएं। ताकि उसका समयबद्ध निस्तारण कराया जा सके। डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में कहा

लगातार बारिश से उफनाई मंदाकिनी व बरदहा नदी -मऊ गुरदरी गांव ग्रामीणों की बड़ी मुश्किलें

चित्रकूट। लगातार रात्रि से हो रही झमाझम बारिश के चलते मंदाकिनी नदी व नालों में उफान आ गया। रामघाट में प्रशासनिक अधिाकारियों ने लाउडहेलर से अलर्ट करते रहे कि जल स्तर बढ़ रहा है, लोग अपनी दुकाने खाली कर दें। देखते–देखते रामघाट की दुकानों में पानी भरने लगा। रामघाट तक आवागमन बंद कर दिया गया। इसी प्रकार मानिकपुर क्षेत्र की बरदहा नदी भी उफान पर है।

झमाझम बारिश के चलते बरदहा नदी उफान पर है। नदी का जल स्तर बढने से मऊ गुरदरी गांव टापू में तब्दील हो गया है। गांव से मानिकपुर और मध्य प्रदेश के उभौरा जाने वाले दोनों प्रमुख रास्तों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित है। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि पांच दिन से कोई स्वास्थ्य सुविधा अथवा राहत उपलब्ध नहीं कराई गई है। ग्राम प्रधान रामनाथ ने बताया कि दोनों रास्ते प्रभावित होने से गर्व हैं। प्रधान के अनुसार गांव में कई लोग बीमार हैं।

मंदाकिनी पुल पर जलभराव से जाम, बाइक सवार गिरे, ई-रिक्शा पलटा

चित्रकूट। बारिश के चलते झांसी–मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मंदाकिनी पुल पर सोमवार को आवागमन प्रभावित हुआ। पुल पर जलभराव और गड्ढों में पानी भरने से दो बाइक सवार गिरकर मामूली घायल हो गए। जबकि एक ई–रिक्शा भी पलट गया। जिले में रविवार से रुक–रुक कर हो रही बारिश से पुल पर कई स्थानों पर गड्ढे बन गए हैं। दोपहर 12 से 2 बजे तक पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। कालपुर गांव निवासी महेश सिंह की बाइक गड्ढे में फंस गई, पीछे बैठे दोस्त शंभूप्रसाद गिरकर घायल हो गए। इसके बाद ई–रिक्शा का पहिया गड्ढे में फसने से वह पलट गया, लेकिन यात्रियों को चोट नहीं आई। सूचना पर यातायात प्रभारी हरीराम यादव टीम के साथ पहुंचे। जेसीबी से गड्ढों में मोरंग डलवाकर आवागमन सुचारु कराया गया। इसके बाद वाहनों का संचालन सामान्य हुआ।

समाधान दिवस 45 प्रार्थना पत्रों में महज तीन का हुआ मौके पर निस्तारण

लालगंज, मीरजापुर। संपूर्ण समाधान दिवस तहसील समागार में एडीएम भू राजस्व देवेंद्र प्रताप सिंह व तहसीलदार विशाल कुमार शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 45 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें तीन प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष बचे हुए प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम गठित का निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।फरियादी पंचोखर निवासी रीता पत्नी शेषमणि ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि मेरा राशन कार्ड बनवाया जाए। चरखी खुर्द निवासी राम जी मोर्य पुत्र रामगोपाल ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया की मेरी

भूमि की पैमाइश किया जाए। कटाई निवासी सरोज देवी पत्नी रामराज ने प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया कि हम पात्र हैं मेरा नाम राशन कार्ड से छूट गया है जिसे जोड़ा जाए। चंद्रशमराज निवासी निशा देवी पत्नी कमलेश ने विधवा पेंशन दिए जाने की मांग की है।समाधान दिवस के अंत में तहसीलदार विशाल कुमार शर्मा राजस्व एवं पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादी को बार–बार तहसील एवं थाने का चक्कर

न लगाना पड़े जिसके परिपेक्ष्य में आप लोग मौके पर जाकर दो गवाहों के समक्ष फरियादी की समस्या गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अमर बहादुर, नायब तहसीलदार राजीव यादव, खंड विकास अधिाकारी लालगंज व हलिया समेत संबंधित विभाग के अधिकारी और राजस्व निरीक्षक लेखपाल मौजूद रहे।

हरिशंकर मिश्र बने विहिप जिलाध्यक्ष, सौहार्दपूर्ण वातावरण पर दिया जोर

मीरजापुर। समाजसेवी पं. हरिशंकर मिश्र को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की जिला इकाई का नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। लालगंज निवासी पं. मिश्र को यह जिम्मेदारी विहिप की जिला इकाई द्वारा सौंपी गई है।इस नियुक्ति से पहले, पं. हरिशंकर मिश्र विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष का दायित्व संभाल चुके हैं। वे लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं और विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके मनोनयन पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और उपरोध क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। क्षेत्रीय लोगों और शुभचिंतकों द्वारा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। जिलाध्यक्ष मनोनीत होने के बाद सोमवार शाम पं. हरिशंकर मिश्र ने लालगंज स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वे अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे और सनातन धर्म के ध्वज को ऊंचा कर समाज में भाईचारे का माहौल बनाने का कार्य करेंगे। पं. मिश्र ने बताया कि वे वर्तमान समय में हिंदुओं को तोड़ने और धर्मपरिवर्तन में लगे लोगों के मंसूबों को सफल नहीं होने देंगे। इसके लिए वे गांवों में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर अवांछनीय लोगों का प्रवेश वर्जित करेंगे और हिंदुओं में भेदभाव समाप्त कर सभी को सम्मान दिलाने का कार्य करेंगे।

नागपंचमी के अवसर पर शिवालयों में भत्तों की उमड़ी भारी मीड़

मीरजापुर। विकास खंड लालगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत तुलसी में स्थित वनराज महादेव पतीयार नाथ मंदिर में सोमवार नागपंचमी के शुभ अवसर पर भक्तों की भारी मीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की। मान्यता के अनुसार भक्तों ने भगवान शिव को कच्चा चना दूध लावा बेलपत्र धतूरा और जल अर्पित किया। ग्राम पंचायत की महिलाओं ने भी महादेव के दर्शन और पूजन किए। आपको बता दें कि विकास खंड लालगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत तुलसी नदनी में वनराज महादेव पतीयार नाथ मंदिर कई दशकों पुराना है और ग्रामीणों द्वारा मिलकर यह बनवाया गया था। यह क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। ऐसी मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि पूरे सावन माह में यहां शिव भक्तों द्वारा पूजा पाठ और भंडारे का आयोजन किया जाता है, उन्होंने कहा कि जो भी भक्त यहां श्रद्धा से आता है भोले बाबा उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं। ग्रामीण गुलाब सिंह, सनी सिंह, बिहारी लाल यादव और रामबाबू यादव ने बताया कि उनका बचपन से ही इस मंदिर से गहरा जुड़ाव रहा है। वे मानते हैं कि भगवान की कृ

पा सदैव उन पर और गुामसभा वासियों पर बनी रहती है।

अनुसूचित जाति जनजाति के व्यक्तियों को स्वरोजगार प्रशिक्षण का अवसर

आजमगढ़, ,(आर एन एस)उपायुक्त उद्योग आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि अनुसूचित जातिध जनजाति सब–प्लान के अंतर्गत व्यक्तिमहिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए चार माह का साप्ताहिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है। प्रशिक्षण के अंतर्गत एक माह का सैद्धांतिक तथा तीन माह का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।उक्त प्रशिक्षण के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध् य होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता के रूप में गैर–तकनीकी व्यवसाय के लिए कक्षा 8 उत्तीर्ण तथा तकनीकी व्यवसाय के लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।अनुसूचित जातिधजनजाति के इच्छुक व्यक्तिमहिलाएं प्रशिक्षण हेतु अपना आवेदन ीजनकरुध्कपनचउेम.नवेकब.हवअ.पद पर 25 अगस्त, 2026 तक ऑनलाइन कर सकते हैं। आवेदन पत्र केवल ऑनलाइन ही मान्य होंगे तथा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली के समग्र पर्यटन विकास परियोजना का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण -20 सितम्बर तक अवशेष कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग व एसपी अरुण कुमार सिंह ने गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली के राजापुर के समग्र पर्यटन विकास के लिए राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत स्वीत परियोजना का निरीक्षण किया। परियोजना की स्वीत लागत ‘2089.26 लाख है। परियोजना के अंतर्गत लाइब्रेरी ब्लॉक, डॉरमेंट्री एवं पब्लिक एमेनिटी ब्लॉक, पब्लिक सेनेटेशन ब्लॉक, मल्टीपरपज हॉल, कंट्रोल रूम, गार्ड रूम, तुलसी स्मारक भवन का रेनोवेशन, बाह्य स्थल विकास, विद्युत एवं सीसीटीवी, बाह्य एवं आंतरिक सीवेज एवं प्लम्बिंग, फूड फायर स्टेशन, म्यूजियम इंटरप्रिटेशन, ऑडियो विजुअल तथा लैंडस्केपिग सहित विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि 19 अगस्त

से पूर्व परियोजना स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित कर ली जाएं तथा शेष कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराया की धनराशि की किस्त जारी की जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली किस्त जारी करने से पूर्व उनसे अनुमति प्राप्त की जाए। परियोजना स्थल पर जल निकासी से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्देशित किया कि जहां पानी रुक रहा है वहां आवश्यक सुधार कार्य तत्काल कराए जाएं। मंदिर परिसर में कई स्थानों पर हो रहे जल रिसाव को देखते हुए समुचित पाइप की व्यवस्था कर वर्षा जल का उचित एवं स्थायी निकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राजापुर पर्यटन स्थल की बाउंड्रीवॉल की फेंसिंग का कार्य कराने तथा सुक्षा की प्ति से कंसर्टिना वापर लगाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। डीएम

ने हॉर्टिकल्चर के संबंध में निर्देशित किया कि संबंधित एजेंसी, व्यक्ति को कार्य का हैंडओवर होने के बाद ही छह माह की अवधि की गणना की जाए। परिसर में लगाए गए छोटे पेड़ों के संरक्षण एवं विकास के लिए उचित हॉर्टिकल्चर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सभी पौधों का नियमित रखरखाव कराएं। डीएम ने परियोजना के समस्त अवशेष कार्यों को 20 सितंबर तक पूर्ण करने का समय निर्धारित किया है। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों की समयबद्धता के साथ निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

शिक्षकों को मधुमेह जागरूकता एवं स्वस्थ जीवनशैली को दिया गया प्रशिक्षण

चित्रकूट। वार्डआरजी मेडिकल एजुकेशनल एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा सनोफी व बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से किड्स इन स्कूल्स) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, उनके अभिभावकों, स्कूल के शिक्षकों तथा समुदाय के बीच मधुमेह एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी में शिक्षकों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रधानाचार्या शशिकला ने किया। कार्यक्रम में कुल 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों के स्वास्थ्य को कल्याण को बढ़ावा देने तथा विद्यालयों में स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। किड्स कार्यक्रम विद्यालयों में सहायक वातावरण विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे मधुमेह के बारे में बेहतर समझ विकसित हो और मधुमेह से प्रभावित बच्चों को आवश्यक सहयोग मिल सके। कार्यक्रम के अंतर्गत कॉमिक बुक, स्वास्थ्य मार्गदर्शिका तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए क्या करें और क्या न करें जैसी सरल एवं उपयोगी शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। प्रशिक्षण के दौरान चित्रकूट के प्रसिद्ध डायबेटोलॉजिस्ट डॉ. शिखर अग्रवाल ने प्रतिभागी शिक्षकों को मधुमेह के शुरुआती लक्षणों की पहचान, बचाव के उपाय, संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में विद्यालयों की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों के साथ संवादात्मक चर्चा भी हुई। जिसमें विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े संदेशों को प्रभावी ढंग से शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की गई।

नवनिर्मित उपनिबंधक कार्यालय में लेखपत्रों के पंजीकरण कार्य का डीएम ने किया शुभारंभ

चित्रकूट। जनपद के नवनिर्मित उपनिबंधक कार्यालय कर्वी में सोमवार से लेखपत्रों के पंजीकरण कार्य का शुभारंभ डीएम पुलकित गर्ग व एसपी अरुण कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक अशोक जाटव, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल, एआईजी स्टांप प्रवीण सचान, उपनिबंधक राजेश सिंह सहित अधिकता एवं दस्तावेज लेखक उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नवनिर्मित उपनिबंधक कार्यालय भवन का लोकार्पण प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आठ जुलाई को जनपद के भ्रमण के दौरान किया गया था। डीएम ने पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत प्रश्न पारिवारिक दानपत्र के पंजीकरण की कार्यवाही का अवलोकन किया। दानपत्र पारिवारिक दानपत्र में रेंपुरा निवासी पुष्पेन्द्रचंद्र बंसी द्वारा अमनी पत्नी सविता देवी के पक्ष में दानपत्र का पंजीकरण कराया गया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने कार्यालय के रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर दस्तावेजों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखरखाव की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिाकारियों को अभिलेखों को सुव्यवस्थित संधारण, सुरक्षित रखरखाव तथा कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नवनिर्मित कार्यालय में पंजीकरण कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्रीय नागरिकों को लेखपत्रों के पंजीकरण संबंधी सेवाएं सुगमता एवं बेहतर सुविधाओं के साथ उपलब्ध हो सकेंगी।

डीएम-एसपी ने संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियाद

चित्रकूट। शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील राजापुर के सभागार में ‘सम्पूर्ण समाधान दिवस’ का आयोजन डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता तथा एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ।समाधान दिवस के दौरान डीएम ने आए हुए फरियादियों की प्रार्थना पत्रों की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई की। उन्होंने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। ताकि किसी भी पीड़ित या लाभार्थी को बार–बार कलेक्ट्रेट या शासकीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कार्यों में अनावश्यक विलंब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कलेक्ट्रेट स्तर पर ऐसी शिकायतें पुनरावृत्ति होती हैं। जिनमें अध निगन्ध स्तर पर लापरवाही बरती गई हो तो संबंधित उत्तरदायी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले या आम जनमानस को परेशान करने वाले लेखपात्रों को तत्काल प्रभाव से सम्बद्ध करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पंत ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, 100 छक्का लगाने वाले पहले भारतीय बने

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने गाले टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ अपनी विस्फोटक 66 रनों की पारी के दौरान यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया, साथ ही सबसे कम गेंदों में 100 छक्के पूरे करने का विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ा।विकेटकीपर—बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय और कुल मिलाकर ऐसा करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। पंत ने यह रिकॉर्ड श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बनाया, जिसमें उन्होंने 95 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 69 गेंदों पर 66 रन बनाएय अपनी इस पारी में आठ चौके और दो छक्के शामिल थे। टेस्ट क्रिकेट में पंत के अब ठीक 100 छक्के हो गए हैं। उनसे आगे

सिर्फ न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम (107 छक्के) और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स (138 छक्के) हैं। पंत ने सबसे कम गेंदों में 100 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड भी बनाया हैय उन्होंने 4,918 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि पिछला रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के नाम था, जिन्होंने 6,578 गेंदें ली थीं। पंत का प्रति छक्का गेंदों का अनुपात 49.2 है, जो कम से कम 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में सबसे बेहतर है। हालांकि पंत का शतक बनाने का प्रयास 66 रन पर ही खत्म हो गया, लेकिन इस साल उन्होंने दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में कुल 186 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 81 और स्ट्राइक रेट 73.80 रहा है। पंत ने अपना पिछला टेस्ट शतक पिछले साल लीड्स



बनाया था।चल रहे मैच में भारत ने छह विकेट गंवा दिए थे, लेकिन 350 से ज्यादा रनों की बढ़त बनाए रखी थी। भारत की बड़ी बढ़त के बावजूद, मंगलवार को गाले टेस्ट के चौथे दिन के पहले सेशन में श्रीलंका ने लगातार विकेट लेकर चुनौती बनाए

रखी। सेशन के आखिर में भारत का स्कोर 4 विकेट पर 116 रन था।चल रहे मैच में भारत ने छह विकेट गंवा दिए थे, लेकिन 350 से ज्यादा रनों की बढ़त बनाए रखी थी। भारत की बड़ी बढ़त के शतक लगाया, लेकिन भारत के 462 रनों के जवाब में उनकी टीम पहली पारी में 284 रन ही बना सकी।

थाय ऋषभ पंत 21 और ध्रुव जुरेल 5 रन बनाकर नाबाद हुए और टीम 294 रनों से आगे थी। श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने तीसरे दिन अपना पहला टेस्ट शतक लगाया, लेकिन भारत के 462 रनों के जवाब में उनकी टीम पहली पारी में 284 रन ही बना सकी।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पिछले दो फाइनल की असफलताओं से सीख लेते हुए रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पिछले दो फाइनल की असफलताओं से सीख लेते हुए रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया और ट्रेंट रॉकेट्स को मात देकर अपना पहला हंड्रेड खिताब हासिल किया। टिम साइफर्ट की आक्रामक पारी और नूर अहमद की धारदार गेंदबाजी ने टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे लॉर्ड्स में उनका खिताबी सूखा समाप्त हुआ।

लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आखिरकार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की किस्मत बदल गई। फाइनल में लगातार दो बार हारने के बाद टीम ने तीसरे मौके को हाथ से नहीं जाने दिया और ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार हंड्रेड का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम की इस जीत के सबसे बड़े नायक न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम साइफर्ट रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेलकर लक्ष्य की राह आसान कर दी।बता दें कि मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से जाना जाता था। टीम इससे पहले 2022 के फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स और 2023 के फाइनल में ओवल इनर्विंसिबल्स से हार गई थी। ऐसे में लॉर्ड्स में मिली

यह जीत उसके लिए खास रही। दूसरी ओर, अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट रॉकेट्स की टीम लगातार दूसरी बार खिताब जीतने से चूक गई।ट्रेंट रॉकेट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने के बाद फिन एलन और बेन डकेट ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने तेज गेंदबाज गस एटकिंसन, जोश टंग और सोनी बेकर का सामना करते हुए पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान जोस बटलर ने अफगानिस्तान के कलाई के रियन गेंदबाज नूर अहमद को आक्रमण पर लगाया। नूर ने चार गेंदों के भीतर एलन और डकेट दोनों को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।एनेरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर अहमद पर हमला किया और शुरुआती छह गेंदों में 17 रन ठोक दिए। वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद ट्रेंट रॉकेट्स का स्कोर एक समय 97 रन पर पांच विकेट हो गया था। ऐसा लग रहा था कि टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाएगी, लेकिन लुईस ग्रेगरी और मिशेल सैंटनर ने पारी को संभाल लिया।ग्रेगरी ने लियाम डॉसन और गस एटकिंसन की गेंदों पर लगातार स्कोर लगाए। आखिरी 30 गेंदों में ट्रेंट रॉकेट्स ने 61 रन जोड़कर स्कोर 158 रन तक



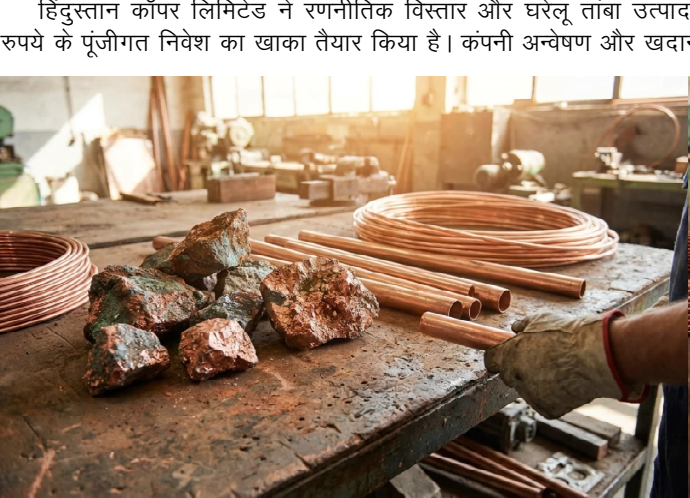
विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टिम साइफर्ट ने मोहम्मद आमिर के शुरुआती पांच गेंदों पर 14 रन बटोर लिए। इसके बाद उन्होंने पॉल वाल्टर के साथ केवल 31 गेंदों में 61 रन की साझेदारी की। साइफर्ट ने सिर्फ 23 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों पर 72 रन बनाए, जिसमें सात छक्के शामिल रहे।कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों पर 23 रन बनाए, जबकि लियूस डू प्लॉय ने नाबाद 27 रन

माइकल ब्रेसवेल दूसरी गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए। मुकाबला आखिरी पांच गेंदों तक पहुंच गया, लेकिन लियाम डॉसन ने धैर्य बनाए रखा और बेन सैंडरसन की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाकर दो गेंद शेष रहते टीम को चौपियन बना दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, साइफर्ट को पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी मिला। उन्होंने प्रतियोगिता में 394 रन बनाए, जो पूरे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत रन स्कोर रहा।

वर्ल्ड चौपियनशिप आफ लीजेंड्स का तीसरा सीजन डेविड वार्नर और एबी डिविलियर्स

वर्ल्ड चौपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का तीसरा सीजन डेविड वार्नर और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से खेल के व्यावसायिक और मनोरंजक ढांचे का विश्लेषणात्मक विस्तार करता है। 3 से 18 अक्टूबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में युवराज सिंह और शाहिद अफरीदी जैसे सितारे खेल की विरासत को नया आयाम देंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, युवराज सिंह, ड्वेन ब्रावो और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी तीन अक्टूबर से शुरू होने वाली वर्ल्ड चौपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलेंगे। यह टूर्नामेंट तीन से 18 अक्टूबर तक खेला जाएगा, हालांकि अभी तक आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की गई है।डब्ल्यूसीएल के पहले सत्र में इंडियन चौपियन ने पाकिस्तान चौपियन को हराया था। दूसरे सत्र में साउथ अफ्रीका चौपियन ने पाकिस्तान चौपियन को हराकर खिताब जीता था। आयोजकों ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, “डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में कुछ बड़े खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। इन खिलाड़ियों में युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वार्नर और महमदुल्लाह रियाद भी शामिल हैं।

हिंदुस्तान कापर लिमिटेड ने रणनीतिक विस्तार और घरेलू तांबा उत्पादन बढ़ाने के लिए आगामी पांच से छह वर्षों में 7000 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश



परिवहन और अन्य स्वच्छ—ऊर्जा उपयोग के चलते तांबे की बढ़ती मांग के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कंपनी ने कहा कि उसने पिछले तीन वर्षों में 13.55 करोड़ टन तांबा अयस्क भंडार और संसाधनों को अपने खाते में जोड़ा है,

जो उसके संसाधन आधार में निरंतर सुधार को रेखांकित करता है।एचसीएल ने कहा कि वह भारत और विदेशों दोनों जगह नए तांबे के भंडार के अधिग्रहण की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। कंपनी ने आगे कहा कि इस योजना का एक मुख्य ध्यान घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए देशभर में बंद पड़ी खदानों को फिर से खोलना है।

ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती मांग को लक्षित कर रही है। यह पहल तांबा भंडार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बाजार स्थिति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक कदम है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) ने मंगलवार को कहा कि वह अगले पांच से छह साल में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत निवेश की योजना बना रही है। यह कंपनी के विस्तार अभियान का हिस्सा है, जिसमें अन्वेषण, खदानों का पुनरुद्धार और रणनीतिक साझेदारियां शामिल हैं। शेरार बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि उसने तांबा और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में कई रणनीतिक पहल की हैं और अगले 5–6 वर्षों में 7,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत निवेश की योजना तैयार की है।यह कदम देश में बुनियादी ढांचे के विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए आस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, जेक वेदरल्ड बाहर, मैथ्यू रेनश की 3 साल बाद वापसी

डेविड वॉर्नर ने खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट से संन्यास लिया है, कंगारू टीम को उस जगह को भरने में काफी मुश्किल हुई है। कई क्रिकेटरों को आजमाया गया, जिसमें स्टीव स्मिथ से ओपनिंग करवाना भी शामिल था, लेकिन कोई भी सफल नहीं रहा।दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में बांग्लादेश के हाथों 9 विकेट की करारी हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में बड़ा बदलाव किया है। खराब फॉर्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड को प्लेइंग इलेवन और स्क्वाड से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। उनकी जगह अनुभवी बल्लेबाज मैथ्यू रेनशों को टीम में शामिल किया गया है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा।जब से डेविड वॉर्नर ने खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट से संन्यास लिया है, कंगारू टीम को उस जगह को भरने में काफी मुश्किल हुई है। कई क्रिकेटरों को आजमाया गया, जिसमें स्टीव स्मिथ से ओपनिंग करवाना भी शामिल था, लेकिन कोई भी सफल नहीं रहा। रेनशों के साथ, ऑस्ट्रेलिया टॉप ऑर्डर में कुछ स्थिरता लाने की कोशिश कर रहा है। वह तीन साल बाद टीम में वापसी कर रहे हैंय उन्होंने अपना

आखिरी टेस्ट मैच 2023 में दिल्ली में खेला था, इसलिए 30 वर्षीय खिलाड़ी पर निश्चित रूप से कुछ दबाव होगा।व्या अब मार्नस लाबुशेन

देने को तैयार है। फिर भी, 45 वर्षीय कोच ने साफ किया कि लाबुशेन का मौजूदा प्रदर्शन जरूरी स्तर के मुताबिक नहीं है और उन्हें बेहतर



की बारी है?दूसरी ओर, स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी जगह बनाए रखने में कामयाब रहे हैं। नंबर 3 पर खेलने वाले इस खिलाड़ी ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 31 रन बनाए, लेकिन बड़े स्कोर बनाने में उनकी नाकामी ऑस्ट्रेलियाई खेमे के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। हालांकि, हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड बहुत ज्यादा चिंतित नहीं हैं।उन्होंने कहा कि आउट होने से पहले इस अनुभवी खिलाड़ी ने अच्छे संकेत दिखाए थे और इसी वजह से मैनेजमेंट उन्हें और मौके

करने की जरूरत है।मैकडोनाल्ड ने कहा, ‘मुझे लगता है कि उन्होंने दूसरी पारी में 31 रन बनाए थे, और जब तक वह आउट नहीं हुए, तब तक लग रहा था कि वह अच्छी लय में हैं। वह अच्छी तरह से मूव कर रहे थे, पैड पर आई गेंदों को अच्छे से खेल रहे थे और ग्राउंड पर सीधे शॉट भी लगा रहे थे। तो मेरे लिए यहां बैठकर उनका बचाव करना आसान है, लेकिन आखिरकार यह 31 रन ही हैं। यह कोई बड़ा स्कोर नहीं है। वह रन नहीं बना पाए हैं। उन्हें भी यह महसूस होता है। हमें भी यह महसूस होता है।

कोचिंग ग्रुप के तौर पर हम बहुत कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसलिए ऑस्ट्रेलिया मैके टेस्ट में अपनी टीम में एक बदलाव के साथ उतरेगा।

जोश इंग्लिस और स्कॉट बोलेंड, जिन्हें डार्विन टेस्ट में नहीं खिलाया गया था, वे क्रमशः ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व विकेटकीपर—बल्लेबाज और तेज गेंदबाजी के विकल्प बने रहेंगे।बांग्लादेश के खल्फिाफ दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरु पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलेंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

श्रीलंका को समेटा, 178 रनों की विशाल बढ़त हासिलय जीत की तरफ कदम!

भारत ने गाले टेस्ट में श्रीलंका को पहली पारी में 284 रन पर समेटकर 178 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। रवींद्र जडेजा ने अपना 350वां टेस्ट विकेट पूरा कर कपिल देव के साथ 4000 रन और 350 विकेट के विशिष्ट क्लब में शामिल हुए, जबकि मानव सुथार ने भी 4 विकेट चटकाए। यह प्रदर्शन भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की गहराई और टीम की श्रृंखला में दमदार शुरुआत को दर्शाता है।गाले में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन, श्रीलंका अपनी पहली पारी में 284 रन पर ऑल आउट हो गई। भारत के 462 रनों के स्कोर के बाद, श्रीलंका के इस स्कोर से भारत को 178 रनों की बढ़त मिली। सोनल दिनुशा के अपने पहले टेस्ट शतक के बावजूद, श्रीलंका भारत के बड़े स्कोर को पार नहीं कर सका। दिनुशा और विकेटकीपर—बल्लेबाज निरोशन डिकवेल्ला ने छठे विकेट के लिए 146 रनों की साझेदारी की और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को परेशान किया।सीमर प्रसिद्ध कृष्णा ने 62वें ओवर में डिकवेल्ला की पारी को 80 रन पर खत्म किया। इस आउट होने के साथ ही डिकवेल्ला के नाम बिना शतक



लगाए सबसे ज्यादा टेस्ट हाफ—संचुरी (अर्धशतक) बनाने 350वां टेस्ट विकेट लिया। वह अनिल कुंबले (619), रविचंद्रन अश्विन

का रिकॉर्ड और बढ़ गयाय उन्होंने 23 बार 50 से ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन कभी शतक नहीं लगा पाए। उनका सबसे अच्छा स्कोर 96 रन था, जो उन्होंने 2021 में श्रीलंका के वेस्ट इंडीज दौरे पर बनाया था। टेस्ट में बिना शतक लगाए 50 से ज्यादा रन की सबसे ज्यादा पारियों का रिकॉर्ड अब डिकवेल्ला के नाम हैय उनके बाद भारत के पूर्व ओपनर चेतन चौहान का नंबर आता है, जिन्होंने ऐसी 16 पारियां खेली थीं।रवींद्र जडेजा ने 67वें ओवर में केशरा नुवानथा को आउट करके अपना

(537), कपिल देव (434) और हरभजन सिंह (417) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए। लेफ्ट-आर्म स्पिनरों में, टेस्ट विकेट के मामले में जडेजा श्रीलंका के रंगना हेराथ (433) और न्यूजीलैंड के डेनियल विल्लेट्टी (362) के बाद तीसरे स्थान पर हैं। यह उपलब्धि जडेजा ने तब हासिल की जब नुवानथा ने आक्रामक शॉट खेलने की कोशिश में गलत टाइमिंग की और शुभमन गिल ने उनका कैच लपक लिया। इस उपलब्धि के साथ जडेजा भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव की

टेस्ट क्रिकेट में 4,000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 350 से ज्यादा विकेट लिए हैं। इस मैच से पहले, जडेजा के नाम 89 टेस्ट मैचों में 4,095 रन और 348 विकेट दर्ज थे। मानव सुथार ने अगली ही गेंद पर प्रभात जयसूर्या का विकेट लिया। दिनुशा के आउट होने के बाद, लाहिरु कुमारा ने सुथार की गेंदों पर कुछ बाउंड्री लगाई, लेकिन फिर स्टंप आउट हो गए। सुथार ने कुल चार विकेट लिए, जडेजा ने तीन विकेट चटकाए, जबकि कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और कृष्णा ने एक-एक विकेट लिया।

मेटा को चेतावनी, नियमों के उल्लंघन पर छिनेगा ‘सेफ हार्बर का दर्जा

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा जैसे सोशल मीडिया मंचों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि बाल यौन शोषण सामग्री पर कानून का उल्लंघन होने पर सेफ हार्बर सुरक्षा वापस ले ली जाएगी। सरकार का उद्देश्य संसरशिप के बजाय भारतीय कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करना और डिजिटल नुकसान को कम करना है। सीएसएएम नियंत्रण और एआई लेबलिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नीतिगत स्पष्टता सोशल

मीडिया विनियमन की दिशा में एक गंभीर कदम है। अमेरिकी कंपनी मेटा के साथ सरकार की बातचीत के बाद बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) के मुद्दे पर कार्रवाई में तेजी और सवेदनशीलता बढ़ी है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केंद्र ने



इस तरह कानून का उल्लंघन होने पर ‘सेफ हार्बर’ का संरक्षण नहीं मिलेगा। ‘सेफ हार्बर’ एक कानूनी प्रावधान है जो इंटरनेट मध्यस्थों तथा सोशल मीडिया मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा ‘पोस्ट’ की गई सामग्री के लिए कानूनी ने मंगलवार को बताया कि केंद्र ने

है।सूत्रों ने बताया कि सरकार का मकसद ‘संसरशिप’ या किसी भी तरह से ‘कवरेज’ को सीमित करना नहीं है, बल्कि भारतीय कानूनों तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करना और सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान को कम करना है। उन्होंने कहा, ‘‘संदेश पहुंच गया है।’’ मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि बातचीत के दौरान मेटा ने बताया कि उसके एल्गोरिदम और प्रणालियां कैसे काम करती हैं। उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है और ऐसे मामलों में ‘‘निर्णय लेने तथा बदलाव’’ करने की जरूरत होती है।‘‘हार्डसैफ यूजरनेम’’ विवाद पर सूत्रों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, क्योंकि यह

केवल उस मंच से जुड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि अन्य संदेश ऐप भी इससे जुड़े हैं। सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान को लेकर चिंता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस समेत अन्य देश भी इससे चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान से निपटने और सही संतुलन कायम करने की जिम्मेवारी मंचों की है। ‘एआई लेबलिंग’ पर मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि कानून स्पष्ट है कि कृत्रिम रूप से तैयार सामग्री पर ‘लेबल’ लगाना अनिवार्य है और इसकी जिम्मेदारी तीन स्तरों पर है, जिनमें मंच भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मंचों को इसके अनुरूप नियमों का पालन करना होगा।

मानसून की कमी और अल नीनो के असर से खरीफ बुआई घटकर 1016.57 लाख हेक्टेयर, धान का रकबा 14.37 फीसदी कम

नई दिल्ली । कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल 14 अगस्त तक देशभर में चालू सीजन में खरीफ फसलों की बुआई का कुल क्षेत्रफल 1016.57 लाख हेक्टेयर होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 1037.52 लाख हेक्टेयर था।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक धान की खेती का रकबा 379.07 लाख हेक्टेयर रहा है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 393.44 लाख हेक्टेयर था। बुवाई के रकबे में आई 14.37 प्रतिशत की इस कमी का कारण इस साल मानसून की कमी और श्चल नीनोस मौसम पैटर्न का बुरा अवसर है।उड़द और मूंग जैसी दालों की खेती का रकबा 108.14 लाख हेक्टेयर पर स्थिर रहा है (पिछले साल इसी अवधि में यह 108.49 लाख हेक्टेयर था), क्योंकि इन फसलों को कम पानी की जरूरत होती है। ज्वार, बाजरा और रागी जैसे मोटे अनाजों या मिलेट्स की खेती का रकबा मौजूदा सीजन में अब तक 172.96 लाख हेक्टेयर आंका गया है।

